डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमा:शीशे के सामने सिर्फ बिकिनी ब्रालेट में दिशा पटानी ने दिए ऐसे

वर्ष -08 अंक -93 प्रयागराज, गुरूवार 16 जून, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटकः बेंगलुरु में 31 छात्र पाए गए कोरोना पाजिटिव

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 31 छात्र कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं। कुल मामलों की संख्या बढ़कर अब 582 हो गई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने स्कूलों और कालेजों से कहा है कि वे कोविड-19 के बढ़ते मामलों की पृष्ठभूमि में एहतियाती उपाय सुनिश्चित करें। न्यू स्टैंडर्ड इंग्लिश स्कूल के कक्षा 6 में पढ़ने वाले 21 और कक्षा 5 में पढ़ने वाले एमइएस स्कूल के 10 छात्र कोरोना से संक्रमित मिले हैं। पाजिटिविटी रेट 2.69 प्रतिशत से बढ़कर 2.83 प्रतिशत हो गया है। छात्रों के कोरोना से संक्रमित होने की जानतकारी तब सामने आई, जब टीकाकरण के दौरान उनका कोविड टेस्ट किया गया। दोनों स्कूलों न्यू स्टैंडर्ड इंग्लिश स्कूल और एमइएस स्कूल को सेनेटाइज कर दिया गया है। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने भी एहतियाती उपाय शुरू करने और बेंगलुरु के स्कूलों और कालेजों में कोविड प्रोटोकाल बनाए रखने का निर्देश दिया है। शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के प्रवेश के समय अनिवार्य थर्मल स्कैनिंग करने के लिए कहा गया है। यदि किसी में कोरोना के लक्षण पाए जाते हैं, तो उन्हें अलग किया जाना चाहिए और कोविड टेस्ट किया जाना चाहिए।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कुलाधिपति बनने के सपनों को होल्ड कर सकते हैं राज्यपाल, जानिए- कैसे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी ने खुद को विश्वविद्यालयों का कुलपति बनाने के लिए पारित विधेयक को राज्यपाल के पास अनुमति के लिए भेजा है। विपक्षी दल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्यपाल जगदीप धनखड़ से विधेयक को केंद्र के पास भेजने की मांग की है। बंगाल सरकार और राज्यपाल के बीच के संबंध के मद्देनजर क्या राज्यपाल इस पर हस्ताक्षर करेंगे? यदि हस्ताक्षर नहीं करेंगे तो क्या ममता बनर्जी का सपना अधूरा रह जाएगा? राज्यपाल के पास इस विधेयक को रोकने के क्या-क्या तरीके हैं? लोकसभा के महासचिव व संविधान विशेषज्ञ डा. सुभाष कश्यप के अनुसार बंगाल सरकार को अब बिल पर अनुमति के लिए राज्यपाल जगदीप धनखड़ के पास भेजना होगा। अब राज्यपाल के पास तीन तरीके हैं। विधेयक सरकार को वापस भेज सकते हैं। हालांकि विधेयक लौटाने का अधिकार एक बार ही है। राज्यपाल विधेयक को अपने पास अनिश्चित काल के लिए होल्ड कर सकते हैं। निर्देश के लिए केंद्र सरकार को भेज सकते हैं।डा. कश्यप के अनुसार

संवैधानिक तौर पर जब तक राज्यपाल की अनुमति नहीं मिलेगी तब तक बंगाल सरकार संवैधानिक तौर पर इसे लागू नहीं सकती है।यदि सरकार असंवैधानिक तरीके से इसे लागू करती है तो राज्यपाल राष्ट्रपति को पत्र लिखकर संविधान के उल्लंघन के आरोप में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर सकते हैं। हालांकि, यह आखिरी विकल्प के तौर पर उपयोग किया जा सकता है।सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायणन का कहना है। बंगाल के राज्यपाल के पास दो तरीके हैं। कुछ निर्देशों के साथ पहली बार विधेयक लौटा दें। हालांकि इसके बाद सरकार जब दोबारा इसे हस्ताक्षर के लिए भेजेगी तो उन्हें हस्ताक्षर करना पड़ेगा। तीन हफ्ते पहले सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी एजी पेरारिवलन के मामले में जो जजमेंट दिया उसमें स्पष्ट कर दिया कि राज्यपाल को केंद्र सरकार के पास कोई भी विधेयक या कोई भी प्रस्ताव भेजने का अधिकार नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्यपाल के पास सिर्फ होल्ड करने का ही अधिकार है। कानून में होल्डिंग को लेकर कोई दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं। समवर्ती सूची अथवा तीसरी-सूची(सातवीं अनुसूची) भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दिए गए 52 विषय (हालांकि अन्तिम विषय को 47वां स्थान दिया गया है) की सूची है। इसमें राज्य सरकार और केन्द्र सरकार दोनों के साझा अधिकारों को वर्णित किया गया है।

भारत के लोकतंत्र में कांग्रेस की भूमिका क्या महज एक परिवार के लिए 'सेफ-गार्ड' बनने की रह गई है

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले का जिनन एक बार फिर बोतल से बाहर निकला है। कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को ईडी के सामने पेश होने का नोटिस हुआ तो मानो कांग्रेस में भूचाल आ गया। कांग्रेस पार्टी द्वारा देश के अलग-अलग शहरों में प्रेस कांफ्रेंस से लेकर विरोध-प्रदर्शन तक किए जा रहे हैं। हालांकि सोनिया गांधी अस्वस्थता के चलते पेश नहीं हुई, लेकिन राहुल गांधी पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश हुए हैं। मगर इससे इतर सवाल है कि क्या नेहरू-इंदिरा परिवार कानून-व्यवस्था से ऊपर है? किसी भी मामले में क्या जांच प्रक्रिया के जो नियम देश में कानूनी तौर पर लागू हैं, वे कांग्रेस पार्टी के 'परिवार-विशेष' पर नहीं लागू होते? इस पूरे मामले पर नजर डालें तो सितंबर 1938 में शुरू हुए नेशनल हेराल्ड के दिल्ली संस्करण का प्रकाशन मार्च 2008 तक हुआ। इससे पहले 1995 में कर्मचारियों के वेतन आदि का हवाला देकर इसके लखनऊ संस्करण को बंद किया जा चुका था। वर्ष 2008 में तकनीकी अक्षमता का हवाला देकर इसका दिल्ली संस्करण भी बंद कर दिया गया। इसी के बाद नेशनल हेराल्ड मामले में पैसों का ऐसा घुमावदार मकड़जाल फैला, जिसके घेरे में सीधे तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं उनके बेटे राहुल गांधी आ चुके हैं। गौर करने वाला तथ्य है कि 2008 में अखबार बंद होने

के बाद कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड के प्रकाशक एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड को 90 करोड़ का ब्याजमुक्त कर्ज दिया था। किसी राजनीतिक दल द्वारा किसी निजी कंपनी को कर्ज देना अपनेआप में जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन है। हालांकि मामला यही खत्म नहीं होता। कांग्रेस द्वारा दिए गए ब्याजमुक्त कर्ज के बाद अखबार शुरू नहीं हुआ, बल्कि चार साल बाद 26 अप्रैल, 2012 को अखबार के प्रकाशक एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड का मालिकाना हक यंग इंडिया कंपनी को मात्र 50 लाख रुपये में दे दिया गया। जिस यंग इंडिया को एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड अर्थात नेशनल हेराल्ड का मालिकाना हक दिया गया, उस कंपनी में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी की संयुक्त तौर पर 76 फीसद की हिस्सेदारी थी। बाकी शेष 24 फीसद में आस्कर फर्नाडिस एवं मोतीलाल वोहरा साझीदार थे। एक और बात है, जो इस पूरे मामले को सवालों के घेरे में लाती है, वह है कि जब मात्र 50 लाख रुपये में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी की अधिकतम हिस्सेदारी वाली यंग इंडिया एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड अर्थात नेशनल हेराल्ड का अधिग्रहण कर रही थी, उस दौरान नेशनल हेराल्ड की परिसंपत्तियां लगभग 1600 करोड़ रुपये के आसपास थीं। एक तरह से देखा जाए तो लगभग 1600 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां महज 50 लाख रुपये में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कंपनी को हासिल हो गईं। यह सौदा अपनेआप में आश्चर्यजनक है। परिणामतः लेन-देन के इस पूरे मसले में दो स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। पहला सवाल तो खुद कांग्रेस पार्टी के ऊपर उठ रहा है। जनप्रतिनिधित्व कानून एवं आयकर विभाग के मुताबिक यह स्पष्ट नियम है कि कोई भी राजनीतिक दल किसी व्यापारिक कारोबार आदि में बिल्कुल भी निवेश नहीं कर सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार का कोई आरोप अगर किसी राजनीतिक दल के ऊपर साबित होता है तो उसकी चंदे में मिली आयकर छूट को रद कर दिया जाएगा। इसका जवाब कांग्रेस को देना चाहिए।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्षी दलों की बैठक आज, पवार ने उम्मीदवारी से किया इनकार; विपक्ष के रवैये से ममता बेचैन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष ने मंथन शुरू कर दिया है। सभी विपक्षी दल मिलकर एक संयुक्त उम्मीदवार को मैदान में उतारना चाहते हैं। इसके लिए पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार का नाम आगे चल रहा था लेकिन खबर है कि उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। बुधवार को दिल्ली में विपक्षी दलों की एक बैठक होगी जिसमें इस घर पहुंचीं। इसकी तस्वीर खुद पवार ने ट्विटर पर शेयर की। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान पवार ने ममता को भी साफ कर दिया कि वे विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार बनने के इच्छुक नहीं हैं। सभी को मिलकर नए उम्मीदवार पर सहमति बनानी होगी। पवार से मिलने के बाद भाकपा नेता डी राजा ने भी कहा कि राकांपा प्रमुख ने राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने से इन्कार किया है। पवार ने दीदी

को यह समझाने का भी प्रयास किया कि राष्ट्रपति चुनाव को विपक्षी नेतृत्व की कमान थामने के राजनीतिक मकसद के रूप में इस्तेमाल से बचा जाना चाहिए। बताया जा रहा है कि पवार अपनी तरफ से कांग्रेस के असंतुष्ट खेमे के नेता गुलाम नबी आजाद को विपक्ष का उम्मीदवार बनाने की संभावना टटोल रहे हैं। उन्होंने वामदलों के नेताओं और ममता दोनों की मंशा की थाह ली। बहरहाल, चाहे मजबूरी में ही सही मगर विपक्षी एकता की खातिर कांग्रेस और वामदलों के बैठक में शामिल होने के संदेश के बाद ममता बनर्जी की बुधवार को प्रस्तावित बैठक राष्ट्रपति चुनाव पर विपक्ष की पहली औपचारिक मंत्रणा होगी। इसमें विपक्षी खेमे का कोई अन्य बड़ा मुख्यमंत्री शामिल होगा, इसकी संभावना कम ही है। राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो रही है। राज्यसभा सचिवालय ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों के बाद चुनाव के लिए विशेष सेल गठित किया है। 18 जुलाई को चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। विशेष कार्य अधिकारी मुकुल पांडे और राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव सुरेंद्र त्रिपाठी को सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है।

बाबत रणनीति तैयार की जा सकती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह बैठक बुलाई है जिसमें माकपा और भाकपा का शीर्ष नेतृत्व शामिल नहीं होगा। बैठक से पहले ममता ने मंगलवार को राकांपा नेता शरद पवार से मुलाकात कर राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी रणनीति पर चर्चा की। शरद पवार ने इस बैठक में साफ कर दिया कि वे विपक्ष का साझा उम्मीदवार बनने के लिए तैयार नहीं हैं। वहीं विपक्ष की बागडोर थामने की कसरत के तहत दीदी की बुलाई गई इस बैठक को लेकर असहज होने के बावजूद कांग्रेस और वामदलों ने विपक्षी खेमे में किसी तरह के बिखराव को रोकने के लिए इसमें शामिल होने का फैसला किया है। राष्ट्रपति चुनाव पर विपक्षी नेताओं की बैठक का एलान करने में लीड लेने के बावजूद विपक्ष के कई शीर्ष नेताओं व मुख्यमंत्रियों के नहीं आने की भनक ने दीदी को बेचैन कर दिया है। इसीलिए दिल्ली पहुंचते ही ममता सबसे पहले पवार से मिलने उनके

10 लाख सरकारी नौकरियों का पूरा रोडमैप, रेलवे, डिफेंस, डाक सहित इन विभागों में होंगी सबसे ज्यादा भर्तियां

नई दिल्ली। सरकार द्वारा इस वर्ष मार्च में संसद में उपलब्ध कराए गए आंकड़े के अनुसार देश में केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों में अधिकारी और कर्मचारी श्रेणियों में लगभग 9 लाख पद खाली है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि देश में सर्वाधिक पद पांच विभागों रेलवे, रक्षा (सिविल), डाक, गृह औ? राजस्व विभाग में रिक्त है। स्वाभाविक रूप से आने वाले समय में सरकार द्वारा सर्वाधिक भतिर्यां भी इन्ही विभागों में की जाएंगी बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी डिपार्टमेंट और अलग-अलग विभागों के खाली पदों के एनालिसिस से कई बातें साफ हो जाती हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा खाली पद डिफेंस, रेलवे, होम अफेयर्स, डाक और रेवेन्यू डिपार्टमेंट में हैं। यानी अगले डेढ़ सालों में सबसे ज्यादा भर्ती भी इन्हीं विभागों में होगी। अब इन खाली पदों का ग्रुप वाइज बंटवारा भी जान लेते हैं। बता दें कि अलग-अलग विभागों के खाली पदों में उछाल एक दिन में नहीं आया है। 2014-15 के बाद से सरकारी विभाग में खाली पदों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इस

मंत्रालय के ह्यूमन रिसोर्स की समीक्षा की है और निर्देश दिया है कि सरकार अगले डेढ़ साल में 10 लाख पदों पर मिशन मोड में लोगों की भर्ती करेगी। इस घोषणा के बाद गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमने वैकेंसी भरने के लिए काम शुरू कर दिया है। धीरे-धीरे कई अन्य मंत्रियों और विभागों ने ट्वीट किए। फिलहाल सरकार की तरफ से कोई डीटेल्ड रोडमैप जारी नहीं किया गया है, लेकिन दौरान सिर्फ 2019-20 में खाली पदों की संख्या में कमी आई। अगले 18 महीनों में 10 लाख पदों को भरे जाने का मतलब है कि मोदी सरकार के पास 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी के मुद्दे पर विपक्ष की हर आलोचना की काट के लिए एक ठोस जवाब रहेगा। लोकसभा का अगला चुनाव वर्ष 2024 के अप्रैल-मई महीने में होने की संभावना है।

गुवाहाटी के कई हिस्सों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण जलजमाव के हालात है। रुक्मिणी गांव, अनिल नगर, नबीन नगर, हाटीगांव, चिडियाघर रोड सहित

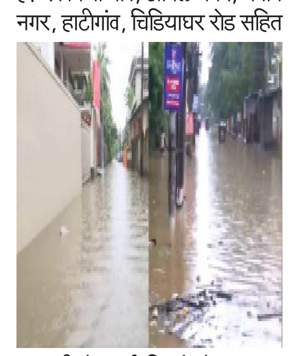

गुवाहाटी के कई हिस्सों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। इससे लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही ट्रैफिक मूवमेंट भी धीमी हो गई है। भारी बारिश को देखते हुए असम सरकार ने मंगलवार को गुवाहाटी और आसपास के इलाकों के लोगों को बेहद जरूरी होने तक बाहर न निकलने की एडवाइजरी जारी की। राज्य सरकार ने असम की राजधानी के निवासियों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने एक एडवाइजरी में कहा कि 'लगातार बारिश को देखते हुए नागरिकों को सलाह दी जाती है कि जब तक बहुत जरूरी न हो बाहर न निकलें।' जिला प्रशासन ने जलजमाव/भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों से लोगों से कहा है कि कृपया सुरक्षित स्थान पर जाने पर विचार करें या जिला प्रशासन से 1077/8638112297 पर संपर्क करें। सरकार ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किये है - सर्कल ऑफिसर, दिसपुर 83760 29984, सर्कल ऑफिसर, गुवाहाटी 95082 09686, फील्ड ऑफिसर, डीडीएमए, दिसपुर 88760 86488, फील्ड ऑफिसर, डीडीएमए, गुवाहाटी 97077 27422 और नंबरों पर निकटतम राहत शिविरों की जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है।

तमिलनाडुः दो दर्जन से अधिक लोकेशन पर आयकर विभाग का छापा, टैक्स चोरी का है मामला

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेनन्ई में बुधवार सुबह आयकर विभाग ने दो दर्जन से अधिक जगहों पर छापेमारी की। सूत्रों से मिली खबर के अनुसार, चेन्नई में श्उश् समूह के 30 स्थानों पर छापेमारी की गई। यह मामला एमजीएम ग्रुप के साथ चेन्नई में मुख्यालय वाले विभिन्न कंपनियों के समूहों के खिलाफ टैक्स चोरी को लेकर है। सूत्रों से मिली खबर के अनुसार इन सभी कंपनियों का कहीं न कहीं से ट्रेडिंग के साथ संबंध है।

समाचार का हुआ असर,चमरूपुर शुक्लान ग्राम पंचायत की अनियमितता की जाँच हेतु समिति गठित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान(विकास खण्ड लक्ष्मणपुर) में विकास कार्यो में ग्राम पंचायत/ ग्राम विकास अधिकारी एवं प्रधान

द्वारा की गई अनियमितता के विरुद्ध जिलाधिकारी के आदेश पर जाँच समिति का गठन किया गया है। इस ग्राम पंचायत के निवासी पवन कुमार शुक्ला के द्वारा गाँव में हुए विकास कार्यों के नाम पर ग्राम पंचायत अधिकारी सुधाकर मौर्य एवं प्रधान के तथाकथित संयोजक व प्रतिनिधि की मिलीभगत से की गई अनियमितता तथा घोटाले की जाँच हेतु शपथ पत्र युक्त शिकायती प्रार्थना पत्र देकर जिलाधिकारी से जाँच करवा कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की माँग की गई थी। आधुनिक समाचार दैनिक पत्र ने प्रधान द्वारा की गई अनियमितता, भ्रष्टाचार एवं शासन के धन के दुरुपयोग का समाचार सिलसिलेवार प्रकाशित किया था।इस संबंध में जिलाधिकारी प्रतापगढ़ द्वारा दिनांक 19 मई ,2022 को उस शिकायत पत्र के आधार पर जिला स्तरीय अधिकारियों अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग,खंड-2 को जाँच हेतु नामित करने का आदेश दिया है। ग्रामीणों ने इस ग्राम पंचायत की प्रधान पर आरोप लगाया था कि वह पूर्व प्रधान के बेटे राजेंद्र मौर्य उर्फ राजा के साथ मिलकर इंटरलॉकिंग,शौचालय,आवास, मनरेगा मजदूरी,समतलीकरण आदि में शासन के धन का दुरुपयोग करते हुए खुद का लाभ उठाया और अपने परिवार और संबंधियों को लाभ पहुँचाया। जिलाधिकारी ने प्रधान और उसके एजेंट राजा मौर्य द्वारा शासन के धन को लूटे जाने पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए जाँच समिति गठित कर विधिक कार्यवाही करने का आदेश एवं निर्देश दिया है।अब देखना यह है कि ब्लॉक प्रशासन अपने ही कर्मचारी और प्रधान के विरुद्ध जाँच में सत्यपरक भूमिका का निर्वहन करता है या लीपापोती करके उसे बचाने का प्रयतन करता है।

पांच पेट्रोल पंपों के सीसीटीवी कैमरों से बलवाइयों की हरकत सामने ला रही पुलिस

प्रयागराज। उपद्रवियों की पहचान को लेकर पुलिस ने अपने कदम तेजी से आगे बढ़ाए हैं। पांच पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी फुटेज को बड़ी गहनता के साथ देखा जा रहा है। इसी में मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज के पास स्थित पेट्रोल पंप से कुछ फुटेज मिली, जिसके बाद कई उपद्रवियों के चेहरे सामने आए हैं। अटाला में जहां बवाल हुआ, वहां एक पेट्रोल पंप है। जबकि यहां आने वाले मार्गों पर चार और पेट्रोल पंप हैं। खुल्दाबाद थाने के सामने, लीडर रोड पर एक-एक और करेली थाने के पास दो पेट्रोल पंप है। पुलिस ने बवाल वाले स्थान पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो इसमें कई उपद्रवियों के चेहरे सामने आए। बारीकी से देखने के बाद इनके पोस्टर जारी किए गए। इसी प्रकार अन्य चारों पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक बाइकों से आए उपद्रवियों में कइयों ने इन्हीं पेट्रोल पंपों से वाहनों में तेल डलवाया था। पुलिस इन फुटेज का गहनता से अध्ययन कर रही है, ताकि उपद्रवियों की पहचान हो सके।

अटाला उपद्रव में बलवाइयों से करोड़ों रुपये नुकसान की भरपाई करेगा जिला पुलिस प्रशासन

प्रयागराज। पिछले सप्ताह जुमा की नमाज के बाद अटाला क्षेत्र में जो उपद्रव हुआ, उससे करोड़ों का नुकसान तो हुआ ही, कानून व्यवस्था पर भी काफी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है। इसके लिए उपद्रवियों से ही नुकसान की भरपाई के लिए क्लेम कमिशन्र (दावा आयुक्त) के समक्ष करोड़ों रुपये के तीन दावे पेश किए गए हैं।पहला दावा नगर निगम की ओर से पेश किया गया है। निगम का कहना है कि उपद्रवियों ने स्मार्ट सिटी के तहत चौराहों पर लगाए गए कीमती सीसीटीवी कैमरे तोड़े, केबल को नुकसान पहुंचाया। निगम ने बुधवार को क्लेम कमिशन्र के समक्ष इस नुकसान की भरपाई दंगाइयों से कई पुलिस वालों की बाइक तोड़ दी गई। कई बाइक में आग लगा दी गई। इसके अलावा बवाल के बाद जो भी पुलिस, पीएसी, पैरा मिलिट्री के जवान तैनात किए गए हैं, उनका वेतन भी दंगाइयों से वसूल किया जाए। लगभग 10 हजार जवान अटाला, करेली, खुल्दाबाद, नुरूल्लाह रोड, रोशनबाग, रानीमंडी, दरियाबाद व मीरापुर क्षेत्र में तैनात किए गए हैं। इनकी तैनाती 10 जून से की गई है। जब तक ये तैनात रहेंगे, तब तक का इनका वेतन, भोजन, जलपान पर होने वाले खर्च की भरपाई दंगाइयों से वसूल कर पुलिस विभाग को देने का दावा पेश किया गया है। यह धनराशि करोड़ों में है। क्लेम कमिशन्र की ओर से

कराने का दावा पेश किया है। नगर आयुक्त की ओर से यह दावा पेश किया गया है। इसी तरह पीएसी ने ट्रक फूंकने की भरपाई का दावा पेश किया है। पीएसी के सेनानायक की ओर से प्रस्तुत इस दावा में कहा गया है कि दंगाइयों से ही क्षतिपूर्ति वसूल की जाए। कमोवेश, पुलिस की ओर से भी दावा प्रस्तुत किया गया है। एसएसपी की ओर से प्रस्तुत दावा में कहा गया है कि अब अपर आयुक्त तथा सहायक दावा आयुक्त की कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी ही तीनों विभागों के करोड़ों के दावे की पड़ताल करेगी और फिर वसूली की संस्तुति करेगी, जिसके आधार पर जिला प्रशासन नुकसान की भरपाई उपद्रवियों से करेगा। इस भरपाई के लिए जिला प्रशासन पहले नोटिस भेजेगा और फिर आरसी जारी करेगा।

जुमे की नमाज से पहले सुरक्षा का चक्रव्यूह प्रयागराज में चप्पे चप्पे पर रहेगी फोर्स

प्रयागराज। पिछले जुमे की नमाज के बाद अटाला में हुए बवाल के मद्देनजर अब कल आने वाले शुक्रवार को लेकर पुलिस ने सुरक्षा का चक्रव्यूह लगभग तैयार कर लिया है। पुराने शहर के साथ ही मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। ग्रामीण इलाकों में भी सतर्कता बरती जा रही है। सभी

सीओ, थाना और चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर गश्त के निर्देश दिए गए हैं। पिछले शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद अटाला में बवाल हो गया था। उपद्रवियों ने ऐसा बवाल किया तो पुलिस को स्थिति संभालने में घंटों लग गए। इसमें कई अधिकारियों के साथ पुलिसकर्मी जख्मी भी हो गए थे। यह तब था, जब पुलिस ने पूरी व्यवस्था कर रखी थी। इस प्रकार का वाकया दोहराया न जाए, इसके लिए पहले से ही तैयारी शुरू हो गई है। बुधवार को पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने इस पर मंथन किया। जनपद के साथ ही आसपास के जिले प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, महोबा से भी तेज तर्रार इंस्पेक्टर और दारोगाओं को बुलाया गया गया है। जनपद के भी तेज तर्रार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा पीएसी व आरएएफ के और जवानों को यहां तैनात किए जाने की बात कही जा रही है। शुक्रवार सुबह से ही इन सभी पुलिसकर्मियों को चौक, कोतवाली, घंटाघर, नूरुल्ला रोड, खुल्दाबाद, अटाला, करेली, गौस नगर, जेके आशियाना, हड्डी गोदाम, अकबरपुर, मिनहाजपुर, शाहगंज, महेवा समेत अन्य इलाकों में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा अतरसुइया, रानीमंडी, बहादुरगंज, हटिया, शीशमहल, सादियाबाद, दरियाबाद, कीडगंज, चकिया, कसारी-मसारी, धूमनगंज समेत अन्य इलाकों में भी पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। ग्रामीण इलाकों के मऊआइमा, लालगोपालगंज, फूलपुर में खासी नजर रखी जा रही है। यहां भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी क्षेत्राधिकारियों, थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में गश्त करते रहे। लोगों से बातचीत कर इनपुट लेते रहे। पिकेट पर तैनात होने वाले सिपाहियों को और सक्रिय करने की बात कही गई। शहर के पुराने इलाके में खुफिया विभाग की टीम लगातार भ्रमण पर है। पल-पल की रिपोर्ट जुटाई जा रही है। वहीं ग्रामीण इलाकों में तैनात खुफिया विभाग के सदस्य भी जगह-जगह ग्रामीणों से बातचीत कर इनपुट ले रहे हैं। साइबर सेल की टीम भी अलर्ट मोड में है। इंटरनेट मीडिया के वाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि पर भेजे जा रहे मैसेजों को देख रहे हैं। इसमें कोई मैसेज भड़काऊ या आपत्तिनजक तो नहीं है, इसका परखा जा रहा है।

आइआरसीटीसी की वेबसाइट क्रैश, टिकट बुक करने में यात्री हो रहे परेशान

प्रयागराज। भारतीय रेलवे खानपान निगम यानी आइआरसीटीसी की वेबसाइट इन दिनों तकनीकी कारणों से क्रैश कर रही है। बार-बार वेबसाइट पर लॉगिन का पेज खुल जाता है और अपने आप ही लॉग आउट हो जा रहा है। इससे यात्रियों को टिकट बुक करने में परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। गुरुवार की सुबह वेबसाइट पर टिकट बुक करने के लिए कई बार लॉग इन का प्रयास लोग करते रहे लेकिन वेबसाइट पर लॉगिन नहीं हो सका। आइआरसीटीसी की वेबसाइट के जरिए यात्री अपने पीएनआर नंबर की स्थिति की जांच करते हैं। लेकिन वेबसाइट ना चलने के कारण यात्रियों को घंटों अपना पीएनआर स्टेटस जानने के लिए परेशान होना पड़ा। जबकि वेबसाइट के जरिए मिलने वाली अन्य सुविधाएं भी पूरी तरह प्रभावित रही। आइआरसीटीसी की वेबसाइट कुछ देर के लिए चल जाती और अचानक से बंद हो जाती। इससे यात्री अपना आधा काम तो कर पाते लेकिन अचानक से वेबसाइट बंद होने से अधूरी स्थिति में ही काम अटक जा रहा था। कई लोगों ने नेटवर्क समस्या को लेकर शिकायत भी की लेकिन वेबसाइट की स्थिति रह रह कर आंख मिचोली करती रही।

एक दिन पहले यानी बुधवार को भी आइआरसीटीसी की वेबसाइट ना चलने के कारण यात्री परेशान हुए थे। यात्री कई यात्रियों को रेलवे स्टेशन के काउंटर पूछताछ केंद्रों का चक्कर भी काटना पड़ा था। सुनील पांडे ने बताया कि 4:00 बजे से 5:00 बजे तक पर लगातार दिल्ली जाने के लिए टिकट बुक करने का प्रयास करते रहे लेकिन, वेबसाइट बार-बार क्रश हो जाने के कारण टिकट बुक नहीं हो सका। वीरेंद्र पाल ने बताया वेबसाइट बार-बर आइआरसीटीसी के पी आर ओ आनंद कुमार ने बताया कि वेबसाइट पर कुछ तकनीकी समस्या आ गई है। इसे दूर करने के लिए तकनीकी टीम काम कर रही है।

मनोज केसरवानी उर्फ पिंटू निर्विरोध निर्वाचित हुए मानधाता व्यापार मंडल के अध्यक्ष........

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मानधाता व्यापार मंडल का गठन जिला अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी की देखरेख में किया गया जिसमें मनोज केसरवानी और पिंटू को मांधाता व्यापार मंडल का अध्यक्ष एवं रमेश चंद्र वैश्य उर्फ

लल्ला को महामंत्री निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष के रूप में संतोष कुमार वैश्य उर्फ जुगनू भी निर्विरोध निर्वाचित किए गए।इस निर्वाचन के दौरान व्यापार मंडल के सभी व्यापारी व बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।सभी व्यापारियों ने ध्वनि मत से पूर्व मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रहरि के प्रस्ताव पर इन सभी लोगों का निर्विरोध निर्वाचन किया।इस मौके पर व्यापार मंडल के संरक्षक मदन गोपाल सिंह ने कहा की व्यापार मंडल में ठेला, रेहड़ी पटरी सहित बड़े व्यवसायियों की भी व्यापार मंडल में सहभागिता रहेगी।उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल में कोई भी व्यापारी छोटा,बड़ा नहीं होता है। सभी एक समान व्यापारी हैं।हर वर्ग के हर जाति, हर धर्म और मजहब का व्यापारी एक होता है।सभी को एकजुट होकर अपने व्यापार को आगे बढा॰ना चाहिए।इस मौके पर सभी व्यापारियों ने इ मंल को आदर्श व्यापार मण्डल बनाने का जिलाध्यक्ष को भरोसा दिलाया।नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल जी ने दूरभाष के माध्यम से दी बधाई देते हुए कहा कि व्यापारी हित और उनकी सुरक्षा प्रदेश मण्डल की प्राथमिकता होगी।इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रहरि, जवाहरलाल, मखदूम सेठ, छेदीलाल,बनारसी गुप्ता, बैजना,आद्या प्रसाद पांडे, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, फुल्लन, नरेंद्र कुमार दुबे,बबलू,राम अभिलाख मौर्या,राजेश कुमार गुप्ता, शिव कुमार मोदनवाल, गुड्डू मोदनवाल,शंकर लाल अग्रहरि लोग उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी विकास खण्डों में योग कार्यक्रम का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि अमृत योग सप्ताह समस्त विकास खण्डों में दिनांक 14 जून से 15 जून तक विकास खण्ड के सभागारों में आयोजत किये जायेगें। इसमें समाज के सभी वर्गो के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करायी जाय।अमृत योग सप्ताह कार्यक्रम के तहत दिनांक 16 जून को जिला कारागार में, 17 जून को जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा समस्त आंगनबाड़ी केन्द्र पर, 18 जून को उपायुक्त स्वतः रोजगार विभाग द्वारा विकास खण्ड स्तर पर व 18 जून को ही व्यापार मण्डल स्तर पर, दिनांक 19 जून को मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा आरोग्य मेलों में, दिनांक 20 जून को जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा विद्यालयों में एवं उप कृषि निदेशक द्वारा समस्त बीज गोदामों में पर योग प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इसी प्रकार अमृत योग सप्ताह के अन्तर्गत अष्टम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दिनांक 21 जून को जनपद स्तर व अन्य स्थलों पर योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। उन्होंने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का जनपद स्तर पर पुलिस लाइन में आयोजित किया जायेगा। इसके अलावा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का

कार्यक्रम जिला कारागार, कालाकांकर एवं मानिकपुर गंगाघाट, समस्त बीज गोदामों पर, समस्त विकास खण्डों में, समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में, समस्त ग्राम पंचायत कार्यालय पर, विद्यालय/ स्कूल स्तर पर, समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर, ग्राम पंचायत स्तर पर, व्यापार मण्डल स्तर पर आयोजित किये जायेगें। जिलाधिकारी ने कहा है कि अमृत योग सप्ताह व अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के कार्यक्रम में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने जनपद के नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि जनपद में मनाये जाने वाले अमृत योग सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हो, योग एक जीवनशैली है जिसके माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। अमृत योग सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त विकास खण्डों में प्रातः 7 बजे से प्रातः 8 बजे तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समस्त खण्ड विकास अधिकारी व विकास खण्ड के अन्य अधिकारीगण/ कर्मचारीगण तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। योग प्रशिक्षक द्वारा व्यक्तियों को योग के अनगिनत लाभों से अवगत कराते हुये योग के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि समस्त विकास खण्डों में योग प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया एवं योग के लाभों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। सभी विकास खण्डों में हजारों महिलाओं एवं पुरूषों ने प्रतिभाग किया।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

कभी भी जारी हो सकता है यूपी बोर्ड रिजल्ट का फाइनल डेट, जानिए कैसे जान सकेंगे अपना रिजल्ट

गोरखपुर। यूपी बोर्ड रिजल्ट का इंतजार कर विद्यार्थियों का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम की तिथि का आज यानी 15 जून को किसी भी समय एलान हो

सकता है। यूपी बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट कभी भी जारी हो सकता है। हालांकि इसके लिए अभी अधिकारिक तिथि का एलान नहीं हुआ है। इस वेबसाइट पर जारी होगा यूपी बोर्ड का रिजल्टः यूपी बोर्ड हाई स्कूल (10वीं) और इंटर (12वीं) का रिजल्ट उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के अधिकारिक वेबसाइट पर जारी होगा। ऐसे में विद्यार्थियों को इस वेबसाइट पर नजर बनाए रखना चाहिए। गोरखपुर में इतने विद्यार्थी को परीक्षा परिणाम का इंतजारः गोरखपुर जिले में बोर्ड परीक्षा के दौरान हाईस्कूल के 67,038 तो इंटर में 60,548 विद्यार्थी शामिल हुए है। परीक्षा के लिए जिले के अंदर 199 केंद्र बनाए गए थे। हाईस्कूल की परीक्षा 24 मार्च से प्रारंभ होकर 12 अप्रैल तक वहीं, इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 मार्च से शुरू होकर 20 अप्रैल तक चलीं। दो पालियों में परीक्षाओं का आयोजन हुआ। विद्यार्थी अब अपने रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा का परिणाम आने के बाद विद्यार्थी अपना रिजल्ट और पर चेक कर सकते हैं। विद्यार्थी अपना परिणाम जानने के लिए वेबसाइट के अलावा एसएमएस और डिजिलॉकर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एसएमएस से रिजल्ट देखने के लिए विद्यार्थियों को टाइप करके 56263 पर भेजना होगा। इसके अलावा टाइप करके 56263 पर भेज सकते हैं। रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों को अपना परिणाम जानने के लिए बोर्ड परीक्षा का रोल नंबर पता होना चाहिए साथ ही एडमिट कार्ड पर दिया स्कूल कोड भी मालूम होना चाहिए। रिजल्ट चेक करने के लिए इसकी जरूरत होगी। यूपी बोर्ड परीक्षा में नंबर बढ़ाने या पास कराने को लेकर किसी भी तरह के फोन या मैसेज पर विद्यार्थी यकीन न करें। यूपी बोर्ड ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की है, जिसके लिए आपसे संपर्क किया जाएगा। विद्यार्थियों को यदि रिजल्ट में किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो इन हेल्पलाइन नंबर 1800-180-5310, 1800-180-5312, 1800-180-6607, 1800-180-6608 पर संपर्क कर सकते हैं। ये बोर्ड द्वारा जारी किए गए हैं।

डीएम गोरखपुर बोल रहा हूं, खाते में रुपये भेज दो प्रशासन ने शुरू की मुकदमा दर्ज करने की तैयारी

गोरखपुर। साइबर ठगों का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। एक ठग ने प्रशासनिक अधिकारियों से ठगी की कोशिश की। इसके लिए उसने डीएम के नाम का इस्तेमाल किया। वाट्सएप पर पहले लोकेशन पूछा और कुछ देर बात करने के बाद पैसे की मांग की। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी जिलाधिकारी को दी तो उन्होंने बताया कि वह बैठक में हैं और कोई मैसेज नहीं किया है। ठगी की कोशिश का पता चलने पर जिलाधिकारी ने एसएसपी को ठग का पता लगाकर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। ठग ने जिस नंबर का प्रयोग किया था, वह अधिकारियों के लिए अनजान था लेकिन उसपर जिलाधिकारी की फोटो लगी थी। मंगलवार को गोरखपुर के सभी एडीएम व एसडीएम के सीयूजी नंबर पर मोबाइल नंबर 8250128869 से वाट्सएप मैसेज मिला। उसमें उनका लोकेशन पूछा गया था। जिले में नए डीएम आए हैं और जिस नंबर से वाट्सएप मैसेज आया, उसपर डीएम की फोटो भी लगी है इसलिए प्रथम दृष्टया अधिकारियों को लगा कि डीएम ने ही मैसेज भेजा है। कुछ अधिकारियों ने मैसेज

का जवाब देकर अपनी लोकेशन भी बताई। चैटिंग करने वाले व्यक्ति ने यह भी बताया कि वह बैठक में है। उस समय डीएम भी एक बैठक में मौजूद थे। जब पैसे की मांग की गई तो अधिकारियों को शक हुआ। पैसे अमेजन पे के जरिए पैसे मांगे ग थे। इसके बाद कुछ ने वह नंबर ब्लाक कर दिया तो कुछ ने डीएम को इस बात से अवगत कराया। जालसाज को डीएम के कार्यक्रम की जानकारी भी थी। उसने बैठक का हवाला देते हुए फोन पर बात करने में असमर्थता जताते हुए वाट्सएप पर चैट करने को कहा था। पूर्व डीएम विजय किरन आनंद के नाम से भी फर्जी आइडी बनाकर कुछ अधिकारियों से पैसे मांगने की बात सामने आयी थी। फर्जी आइडी के जरिए मेरे नाम से वाट्सएप मैसेज कर अधिकारियों से पैसा मांगने की बात संज्ञान में आयी है। एसएसपी से इस मामले में बात की गई है और मुकदमा दर्ज कर जल्द से जल्द ठग को गिरफ्तार करने को कहा गया है। मेरी आम जनमानस से अपील है कि वे साइबर ठगों से सावधान रहें। किसी भी कीमत पर उनके बहकावे में न आएं। - कृष्णा करुणेश, जिलाधिकारी गोरखपुर।

वाराणसी में गैंगस्टर मटरू राय ने अदालत में किया सरेंडर, कई मामलों में पुलिस को थी तलाश

वाराणसी। पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी की ओर से लगातार अपराधियों पर कड़ी निगरानी और उनपर कार्रवाई की वजह से घबराकर एक और हिस्ट्रीशीटर ने वाराणसी की अदालत में सरेंडर किया है। मटरू राय नाम के इस अपराधी पर चेतगंज थाना क्षेत्र के एक कारोबारी से रंगदारी मांगने का आरोप है। मटरू राय द्वारा

सरेंडर करने की जानकारी मिलने के बाद कमिश्नरेट पुलिस की ओर से भी आरोपित के बाबत जानकारी लेने के साथ ही उक्त आरोपित को लेकर विधिक कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। वाराणसी पुलिस को गैंगस्टर रहे मटरू राय के बारे में लंबे समय से तलाश थी। काफी प्रयास के बाद भी मटरू राय पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पा रहा था। इसकी वजह से पुलिस लगातार उसकी तलाश में दबिश और जानकारी जुटा रही है। इस बाबत आरोपित ने आखिरकार वाराणसी पुलिस के चौतरफा घेराबंदी से घबराकर बुधवार को वाराणसी की अदालत में सरेंडर कर दिया। इस बाबत वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने भी जानकारी दी है कि गैंगस्टर सहित तमाम मामलों में मटरू राय की लंबे समय से पुलिस तलाश कर रही थी। जगह जगह छापेमारी करने के साथ ही आरोपित को लेकर पुलिस लंबे समय से दबाव बनाए हुई थी। आखिरकार बुधवार को वाराणसी की अदालत में गैंगस्टर मटरू राय ने न्यायालय में जाकर अपने वकील के माध्यम से समर्पण के लिए पत्र दाखिल किया और अदालत के समक्ष हाजिर हुआ। पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार वाराणसी में कुछ समय पूर्व थाना चेतगंज में एक व्यापारी ने मटरू राय पर रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अलावा पूर्व में भी दर्जनों गंभीर मुकदमे हिस्ट्रीशीटर मटरू राय पर दर्ज हैं।

मानसिक चिकित्सालय में एक हफ्ते में पांचवी मौत से हड़कंप

वाराणसी। मानसिक चिकित?सालय वाराणसी में सप्?ताह भर के भीतर पांचवीं मौत होने की जानकारी सामने आने बाद बुधवार को स्वास्थ्य महकमा जांच पड़माल करने के लिए मानसिक अस्पताल पहुंचा और मरीजों की फाइलें तलब कीं। पांडेयपुर स्थित मानसिक चिकित्सालय में एक हफ्ते के

अंदर बुधवार को पांचवी मौत होने से अफरा तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार मानसिक रोगी पिंकी टंडन उम्र 35 वर्ष की बुधवार की सुबह तबीयत बिगड़ने से अचानक मौत हो गई। अस्पताल रिकॉर्ड के अनुसार 2 जून 2022 को सीजीएम बाराबंकी के आदेश पर पिंकी को भर्ती किया गया था। जिसका इलाज डॉक्टर अरविंद कर रहे थे। हालांकि पिंकी मंगलवार दिन तक एकदम ठीक थी। लेकिन देर रात में उसकी तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। मानसिक अस्पताल की निदेशक डॉक्टर लिली श्रीवास्तव के अनुसार व्यवस्थाओं को सुधारने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। भीषण गर्मी मौत का कारण हो सकती है। हालांकि, पिछली चार मौत की पीएम रिपोर्ट अभी मुझे नहीं मिल सकी है। पीएम रिपोर्ट आते ही स्थिति साफ हो जाएगी। बताते चलें कि पिछले दिनों बांदा से आया कैदी हरिशंकर फरार हो गया था और उसका पता लगाने के लिए दूसरे कैदी की स्टाफ के द्वारा जमकर पिटाई कर दी गई थी। जिससे मानसिक चिकित्सालय चर्चा में आ गया था। उसके बाद बांदा का कैदी राहुल उम्र 26 वर्ष, बस्ती से आया दिलीप उम्र 34 वर्ष, श्रेया उम्र 34 वर्ष निवासी सारनाथ की मंगलवार सुबह मौत हो गई।उसी के कुछ देर बाद दोपहर में आजमगढ़ से आए एक 50 वर्षीय मानसिक रोगी की भी मौत हो गई थी। लगातार हो रही मौतों के बाद जिलाधिकारी वाराणसी ने सीएमओ और एडीएम प्रोटोकॉल की टीम गठित करते हुए जांच करने के लिए भेजा था। टीम ने मंगलवार की शाम घंटों घूम कर परिसर की जांच किया और रिपोर्ट भी डीएम को देने की बात कही थी। अभी मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि बुधवार को एक हफ्ते के अंदर पांचवी मौत होने से अफरा-तफरी मच गई है।

गोरखपुर में इलाज के अभाव में एक परिवार के पांच सदस्यों ने तोड़ा दम नहीं मिला किसी योजना का लाभ

गोरखपुर। रोजी-रोटी की तलाश में करीब 15 साल पहले गगहा के रावतपार में आये एक व्यक्ति का परिवार कुपोषण का शिकार हो गया। पिछले करीब डेढ़ साल में इलाज के अभाव में इस परिवार के सात में से पांच सदस्य दम तोड़ चुके हैं। बचे दो मासूम बच्चे दो जून की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आसपास के लोगों की दया पर उनका जीवन चल रहा है। इतने दिनों में इस परिवार तक न तो कोई

सामाजिक संगठन पहुंचा और न ही सरकार की किसी योजना का लाभ इन्हें मिला। इस परिवार की कहानी सुनकर किसी का भी कलेजा मुंह को आ जाएगा। रोजी-रोटी की तलाश में परिवार लेकर सिकरीगंज क्षेत्र से रावतपार आने वाले बवाली को उम्मीद थी कि उसके दुख भरे दिन कट जाएंगे। यहां आकर वह पल्लेदारी करने लगा। खूब हाड़तोड़ मेहनत की। पास में ही एक कमरा भी किराए पर ले लिया था। परिवार का पालन-पोषण अच्छे से हो रहा था लेकिन कोरोना संक्रमण काल में मजदूरी न के बराबर मिली। ऐसे में परिवार का पेट पालना मुश्किल हो गया। सबसे पहले पतनी कमजोर हुई और बीमारी की चपेट में आ गई। उचित इलाज न मिलने से दम तोड़ दिया। इस परिवार की कहानी सुनकर किसी का भी कलेजा मुंह को आ जाएगा। रोजी-रोटी की तलाश में परिवार लेकर सिकरीगंज क्षेत्र से रावतपार आने वाले बवाली को उम्मीद थी कि उसके दुख भरे दिन कट जाएंगे। यहां आकर वह पल्लेदारी करने लगा। खूब हाड़तोड़ मेहनत की। पास में ही एक कमरा भी किराए पर ले लिया था। परिवार का पालन-पोषण अच्छे से हो रहा था लेकिन कोरोना संक्रमण काल में मजदूरी न के बराबर मिली। ऐसे में परिवार का पेट पालना मुश्किल हो गया। सबसे पहले पतनी कमजोर हुई और बीमारी की चपेट में आ गई। उचित इलाज न मिलने से दम तोड़ दिया। दुर्भाग्य का सिलसिला शुरू हुआ तो थमने का नाम नहीं ले रहा। मां की मृत्यु के कुछ समय बाद ही बड़े बेटे व बहन की भी मृत्यु हो गई। करीब दो महीने पहले बवाली की तबीयत भी खराब हुई और उनकी भी मृत्यु हो गई। इसके बाद बचे तीन भाई जीवन के लिए संघर्ष करने लगे। पिता का व्यवहार अच्छा था तो मकान मालिक ने मकान खाली नहीं कराया। आसपास के लोग जो दे देते थे, बच्चे खा लेते थे। बचे तीन बच्चों में से बड़े भाई की उम्र करीब 12 साल थी, उससे छोटे दो और भाई हैं। दुर्भाग्य का सिलसिला शुरू हुआ तो थमने का नाम नहीं ले रहा। मां की मृत्यु के कुछ समय बाद ही बड़े बेटे व बहन की भी मृत्यु हो गई। करीब दो महीने पहले बवाली की तबीयत भी खराब हुई और उनकी भी मृत्यु हो गई। इसके बाद बचे तीन भाई जीवन के लिए संघर्ष करने लगे। पिता का व्यवहार अच्छा था तो मकान मालिक ने मकान खाली नहीं कराया। आसपास के लोग जो दे देते थे, बच्चे खा लेते थे। बचे तीन बच्चों में से बड़े भाई की उम्र करीब 12 साल थी, उससे छोटे दो और भाई हैं। पिछले कुछ दिनों से इनके बारे में जानने वाले रावतपार चौराहा निवासी सुशील शाही ने दोनों समय भोजन कराने का जिम्मा उठाया। इन तीन भाइ्यों में से बड़े भाई की हालत भी काफी खराब थी। उसका भी इलाज नहीं हो सका। माना जा रहा है कि बच्चा कुपोषण का शिकार हो चुका था। मंगलवार की शाम दोनों छोटे भाइ्यों की आंख के सामने उसने भी दम तोड़ दिया। गांव वाले बच्चे के अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे हैं। पिछले कुछ दिनों से इनके बारे में जानने वाले रावतपार चौराहा निवासी सुशील शाही ने दोनों समय भोजन कराने का जिम्मा उठाया। इन तीन भाइ्यों में से बड़े भाई की हालत भी काफी खराब थी। उसका भी इलाज नहीं हो सका। माना जा रहा है कि बच्चा कुपोषण का शिकार हो चुका था। मंगलवार की शाम दोनों छोटे भाइ्यों की आंख के सामने उसने भी दम तोड़ दिया। गांव वाले बच्चे के अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे हैं। परिवार में बचे दो मासूम भाइ्यों के स्वास्थ्य परीक्षण की जरूरत भी गांव के लोग बता रहे हैं। सभी सदस्यों की मृत्यु एक ही तरह से हुई है। उनका कहना है कि इन बच्चों पर प्रशासन को ध्यान देना होगा। योजनाओं के असली हकदार भी हैं ये।

काशी में त्रिपिंडी श्राद्ध करा रहे ब्राह्मण को अनुपम खेर ने टोका, कहा - 'पहले अनुष्ठान पूरा करा लें फिर फोटो खींचिएगा'

वाराणसी। पिचाश मोचन पर कश्मीरी पंडितों की मोक्ष के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध अनुष्ठान की तैयारी सुबह शुरू की गई तो लोगों की जुटान भी श्राद्ध के लिए खूब हुई। आगमन संस्?था की ओर से

आयोजित इस कार्यक्रम में अभिनेता अनुपम खेर भी दोपहर बाद शामिल हुए। कश्मीर में नरसंहार में मारे गए कश्मीरी पंडितों की आत्मा की शांति के लिए काशी में बुधवार को त्रिपिंडी श्राद्ध किया जा रहा है। इसमें कश्मीरी पंडित भी शामिल हुए जिनका प्रतिनिधित्व प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर कर रहे हैं। बुधवार को त्रिपिंडी श्राद्ध का आयोजन पिशाचमोचन कुंड पर सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ। इसमें दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से लोग शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। त्रिपिंडी श्राद्ध श्रीनाथ पाठक उर्फ रानी गुरु ने संपन्?न कराया। वहीं अनुष्ठान डा. संतोष ओझा ने पूर्ण कराया। यह आयोजन आगमन सामाजिक संस्था की ओर से आयोजन किया गया। काशी में बुधवार को कश्मीर में मारे हिंदू परिवारों के मृत आत्माओं शांति के लिए फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने त्रिपिंडी श्राद्ध का अनुष्ठान किया। पिशाच मोचन कुंड पर अनुष्ठान किया गया। आगमन संस्था की ओर से आयोजन किया गया। सड़क मार्ग से लखनऊ से होते हुए काशी पहुंचे अनुपम खेर सीधे पिशाच मोचन कुंड पहुंचे। जहां पहले से ही आगमन संस्था के संतोष ओझा अनुष्ठान की अन्य क्रियाएं सम्पनन्न कराई। रानी गुरु के सानिध्य में कर्मकांडी ब्राह्मणों ने अनुष्ठान को पूरा कराया। कर्मकांड के दौरान अनुपम खेर के मन की भावना मार्मिक थीं। अनुष्ठान के हर आयाम को श्रद्धा के साथ पूरा किया। संतोष ओझा थोड़ा संकोच में थे और औपचारिक तरीके से स्पर्श विधि को अपना कर अनुष्ठान की क्रियाएं पूरी कराना चाहते थे लेकिन अनुपम खेर ने आपत्ति कर दी। खुद अनुष्ठान क्रियाएं करने की मंशा प्रकट की। रानी गुरु ने एक- एक कर सभी विधान पूरा कराया। तीन पिंड बनाये गए थे। फल, फूल, माला के अलावा मान्यता में शामिल अन्य द्रव्य व कंदमूल चढ़ाया गया। अनुपम खेर सफेद कुर्ता पहने थे। गले में ओम लिखा लाल रंग का साफा ओढ़े थे। उनको देखने के लिए पिशाच मोचन लोगों की भीड़ लग गई थी। सुरक्षा के लिए फोर्स लगाई गई थी। जब अनुष्ठान करा रहे ब्राह्मण को अनुपम खेर ने टोका : अनुष्ठान के दौरान फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने मोबाइल फोन से फोटो खींच रहे एक ब्राह्मण को टोका। कहा कि पहले अनुष्ठान पूरा कर लें। फिर फोटो खींच लीजियेगा।

संपूर्णानंद संस्कृत विवि में पूरे साल पढ़ा राजशास्त्र, परीक्षा दी हिंदी विषय की

वाराणसी। अभी तक आपने देखा व सुना होगा कि विद्यार्थी जो विषय लेकर अध्ययन करता है परीक्षा उसी विषय की देता है। इससे इतर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के शास्त्री तृतीय खंड के कृष्ण मुरारी चतुर्वेदी ने पूरे साल राजशास्त्र की पढ़ाई की। वहीं परीक्षा हिंदी विषय की दी। ऐसे वह अकेले नहीं बल्कि दस छात्र हैं। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्याथिर्यों को ख वर्ग में आधुनिक विषय पढ़ाया जाता है इसके तहत शास्त्री यानी सनतक के विद्यार्थियों को हिंदी, समाजशास्त्र, विज्ञान, राजशास्त्र सहित अन्य विषयों में से कोई एक विषय चयन करने की छूट होती है। वहीं विश्वविद्यालय के दस विद्यार्थियों में शास्त्री तृतीय खंड में जिन विषयों का चयन किया। उससे इतर दूसरे विषय की परीक्षा दे दी। लिहाजा उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन संबंधित विषयों में ही हो गया। वहीं पांचवें और छठे पेपर के मूल विषय में सभी दसों परीक्षार्थी गैरहाजिर हो गए। मूल विषय की परीक्षा न देने के

कारण सभी दस परीक्षार्थी एक पेपर में अनुपस्थित हो गए। उधर रिजल्ट घोषित होने के बाद एक पेपर में अनुपस्थित होने वाले परीक्षार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। परीक्षार्थियों ने दावा किया कि सभी पेपर की परीक्षा देने के बाद भी उन्हें एक पेपर में अनुपस्थित दर्शाया गया है। छात्रों के बढ़ते दबाव को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी दसों परीक्षाथिर्यों का प्रकरण परीक्षा समिति को संदर्भित कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस प्रकरण की जब जांच कराई तो परीक्षाथिर्यों की पोल खुल गई। चार परीक्षाथिर्यों ने हिंदी के स्थान पर राजशास्त्र पेपर की परीक्षा दे दी थी । वहीं तीन परीक्षार्थी विज्ञान के स्थान पर हिंदी, दो राजशात्र के स्थान पर हिंदी और एक ने विज्ञान के स्थान पर हिंदी की परीक्षा दी थी। आश्चर्य की बात यह है कि परीक्षार्थियों ने जिस विषय से परीक्षा फार्म भरा था प्रवेश पत्र में उस विषय का बकायदा उल्लेख भी है। बहरहाल परीक्षा समिति ने छात्रहित में सभी परीक्षार्थियों को शून्य अंक देने का निर्णय लिया है ताकि वह वर्ष 2022 की परीक्षा में बैक दे सकें।

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की ड्रेस के पैसे से किसी ने करा लिया ऑपरेशन, किसी ने खरीदा घर का राशन

गोरखपुर। गोरखपुर जिले में विश्वनाथ साहनी के घर का राशन समाप्त था तो जैसे ही बच्चे के स्कूल ड्रेस के लिए खाते में पैसा आया, तत्काल उस पैसे को राशन की खरीद में लगा दिया। नरेंद्र मौर्य को परिवार के सदस्य का आपरेशन कराना था, सो उन्होंने ड्रेस के पैसे को आपरेशन में लगा दिया। इन सबका कहना है कि ड्रेस खरीदने से ज्यादा जरूरी था, घर की फौरी जरूरत को पूरा करना। परिषदीय स्कूलों के बच्चों को ड्रेस दिए जाने की सरकार की योजना का यह सच सामने आया है बीएसए कार्यालय के सर्वे में। 1100 बच्चों के अभिभावकों से की गई बातः बीएसए के निर्देश पर कार्यालय के कर्मचारियों ने करीब 1100 बच्चों के अभिभावकों से बात की, इनमें केवल करीब 400 अभिभावकों ने ही इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने ड्रेस के पैसे का इस्तेमाल उसे खरीदने में ही किया है। करीब 500 (45 प्रतिशत) अभिभावकों ने अलग-अलग वजहों से उन पैसे को घरेलू कार्य में खर्च कर दिया था। करीब

200 अभिभावक तो ऐसे थे, जिन्हें खाते में ड्रेस का पैसा आने की जानकारी ही नहीं थी। करीब 100 लोगों का यह भी कहना था कि पुरानी ड्रेस अच्छी थी, ऐसे में नया ड्रेस खरीदने की जरूरत महसूस नहीं हुई। कुछ अभिभावकों ने यह भी बताया कि मिला पैसा ड्रेस, जूता-मोजा और टाई खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं था। ड्रेस के लिए शासन की ओर से अभिभावकों के खाते में 1100 रुपये भेजे जाते हैं। सर्वे में अभिभावकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने इसे लेकर नियम कड़े करने का निणन्य लिया है। ड्रेस के साथ फोटो पोर्टल पर करनी होगी अपलोडः ड्रेस के पैसे से ड्रेस ही बने, अभिभावक व्यक्तिगत कार्य में खर्च न करें, इसके लिए शिक्षा विभाग जो नया नियम बनाने जा रहा है, उसके मुताबिक बच्चों की ड्रेस के साथ खिंची फोटो शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड करनी होगी, तभी अगले सत्र में ड्रेस के लिए पैसा जारी होगा। हालांकि अभी यह नियम प्रक्रिया में है। विभाग की योजना इस नियम को 2022-23 से ही लागू करने करने की है। ड्रेस के साथ फोटो पोर्टल पर करनी होगी अपलोडः ड्रेस के पैसे से ड्रेस ही बने, अभिभावक व्यक्तिगत कार्य में खर्च न करें, इसके लिए शिक्षा विभाग जो नया नियम बनाने जा रहा है, उसके मुताबिक बच्चों की ड्रेस के साथ खिंची फोटो शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड करनी होगी, तभी अगले सत्र में ड्रेस के लिए पैसा जारी होगा। हालांकि अभी यह नियम प्रक्रिया में है। विभाग की योजना इस नियम को 2022-23 से ही लागू करने करने की है। सीएम हेल्पलाइन के फीडबैक पर बीएसए कार्यालय ने किया सर्वेः ड्रेस की योजना के क्रियान्वयन को लेकर पहले सीएम हेल्पलाइन फीडबैक लिया, जिसमें अभिभावकों द्वारा ड्रेस न खरीदने की बात सामने आई। फीडबैक रिपोर्ट जब बीएसए कार्यालय पहुंची तो बीएसए ने इसे लेकर सर्वे कराने का निणन्य लिया। सर्वे रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। यह सर्वे सत्र 2021-22 के परिप्रेक्ष्य में है। गोरखपुर के बीएसए रमेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यालय द्वारा कराए गए सर्वे में ड्रेस के पैसे का घरेलू कार्य में इस्तेमाल करने के कई मामले सामने आए हैं। सर्वे रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

पुल निर्माण को लेकर आक्रोशित किसानों का प्रदर्शन

जमालपुर (मीरजापुर)। ओड़ी-देवरीला संपर्क मार्ग पर भभौरा गांव के पास मुर्दहवा नाले पर पुल निर्माण धीमी गति से होने से आक्रोशित किसानों ने बुधवार को प्रर्दशन कर नारेबाजी की। किसानों ने आरोप लगाया कि पुल निर्माण कार्य पिछले एक सप्ताह से बंद है। इससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अनन्दाताओं ने समय से पुल निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है। किसानों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड दो की ओर से निर्माण कराया जा रहा है। बरसात का मौसम करीब आ गया है, लेकिन विभाग की ओर से पुल निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है, जिससे किसान परेशान है। पुल के बगल से नाले में एक सिंचाई बंबा लगाकर आवागमन के लिए कच्चा मार्ग बनाया गया है। बरसात होने पर एक सिंचाई बंबा से पानी निकासी न होने पर बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। किसानों ने आरोप लगाया कि एक वर्ष पहले पुल निर्माण का शिलान्यास किया गया था, लेकिन अब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। पुल निर्माण बरसात से पूर्व न होने पर खेती में भी समस्या होगी। र्पादर्शन में चौधरी रमेश सिंह, अशोक सिंह, शिवाजी सिंह, विनोद सिंह, मनोज सिंह, अमित सिंह आदि रहे।

अनपरा-ओबारा विद्युत गृहों में सुधरने लगा कोयले का स्टाक

अनपरा (सोनभद्र) । मानसून की आहट प्रदेश में झलकने लगी है। मंगलवार की रात्रि हुई रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। फिर भी उमस भरी गर्मी से बिजली की मांग में कोई विशेष कमी नही आयी है। बुधवार को प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग 24 हजार मेगावाट के ऊपर बना रहा। रिमझिम बारिश होने से वायु प्रदूषण से लोगों को राहत मिली। कोयला किल्लत से जूझ रही प्रदेश की तापीय परियोजनाएं मांग के अनुरूप पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन कर रही हैं। अनपरा की सभी इकाई पूरी क्षमता से संचालित होने से निगम का उत्पादन 4500 मेगावाट से ऊपर बना रहा। अनपरा-ओबरा तापीय परियोजना में कोयले के स्टाक में सुधार हुआ है। जबकि हरदुआगंज व पारीछा में कोयले को लेकर स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अनपरा तापीय परियोजना में मानक का 25 फीसदी यानि डेढ़ लाख टन कोयले का स्टाक हो गया है। ओबरा में भी मानक का 20 फीसदी यानि 87 हजार टन कोयले का स्टाक है। हरदुआगंज में मानक का 3 फीसदी यानि 14 हजार टन कोयले का

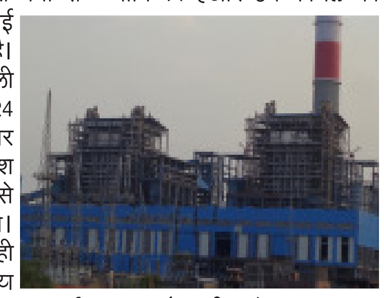

स्टाक है। पारीछा में 16 हजार टन कोयले का स्टाक है। 6129 मेगावाट क्षमता वाली निगम की सभी परियोजनाओं में मानक का 14 फीसदी यानि 2 लाख 65 हजार टन कोयले का स्टाक बना हुआ है। पिटहेड की 1200 मेगावाट क्षमता की अनपरा सी लैंको परियोजना में कोयले की स्थिति में सुधार नही हो रहा है। लैंको में अभी महज तीन हजार टन के नीचे कोयले का स्टाक है।

राष्ट्र प्रेम की भावना को करें जागृत, हर घर पर फहराएं तिरंगा

सोनभद्र । आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम की सफलता के लिए बुधवार को अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित की गई। सहदेव मिश्र ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन 11 से 17 अगस्त तक के मध्य किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षकगण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न नागरिक समूहों के सहयोग से क्रियान्वित किया जाना है। समस्त विभागीय, सरकारी वेबसाइट एवं इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर अमृत महोत्सव की वेबसाइट का लिंक दिया जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर जागरुकता सत्र का आयोजन करें। ग्राम प्रधानों को शत-प्रतिशत घरों, दुकानों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों तथा नलकूपों इत्यादि स्थानों पर झंडा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करे। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि वह स्कूलों में छात्र एवं अभिभावक के माध्यम से कार्यक्रम के सफलता पर मंथन करें। एडीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर काम करने का निर्देश दिया। इस मौके पर डीपीआरओ विशाल सिंह, उपायुक्त ग्रमीण आजीविका मिशन एके जौहरी, जिला विद्यालय निरीक्षक रवि शंकर, बीएसए हरिवंश कुमार, विनय कुमार सिंह आदि रहे।

खेत की रखवाली करने गए वृद्ध की हत्या

मीरजापुर । कटरा कोतवाली इलाके के चंद्रदीपा वार्ड में राजापुर नदी के पास स्थित पाही के मड़हे में बुधवार को 70 वर्षीय पंचम बिंद की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। स्वजन के

अनुसार हत्या का कारण भूमि विवाद बताया जा रहा है। स्वजन ने पुलिस को वृद्ध की हत्या कर शव झोपड़ी में रखने की तहरीर दी है। मौके पर एसपी अजय कुमार सिंह ने घटनास्थल की छानबीन की। चंद्रदीपा गांव के रहने वाले पंचम बिंद की पाही घर से करीब एक किलोमीटर दूर राजापुर नदी किनारे है। प्रतिदिन सुबह-शाम पंचम पाही पर खेती की देखभाल करने जाते थे। स्वजन के अनुसार सुबह सात से दस बजे तक वे पाही पर ही रहते थे। इसके बाद घर पर खाना खाने के लिए आते थे। शाम को दोबारा जाते थे। बुधवार की दोपहर तीन बजे तक घर नहीं आए तो सबको चिंता होने लगी। स्वजन को लगा कि वे सो गए हटेंगे, इसलिए नहीं आए। शाम तक नहीं लौटे तो उनके मोबाइल पर फोन किया गया। घंटी गई ,लेकिन काल रिसीव नहीं हुआ। ऐसे में स्वजन पाही पर पहुंचे। वहां देखा कि उनका शव मड़हे में भूमि पर पड़ा हुआ है। गले पर किसी वस्तु से कसने के निशान दिख रहे है और सिर में चोट भी है। यह देख स्वजन शोर मचाने लगे। आसपास के लोग भी पहुंचे। स्वजन ने वृद्ध की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। जानकारी होते ही एसपी अजय कुमार सिंह, एएसपी संजय वर्मा, सीओ नगर प्रभात राय, कटरा कोतवाल नवीन तिवारी के पास पहुंचे और छानबीन की। एसओजी व स्वाट टीम ने पहुंचकर घटनास्थल पर पड़ताल की।

छात्र-छात्राओं के अनुरूप दक्षिणी परिसर में बढ़ाएं सुविधाएं

मीरजापुर । काशी हिंदू विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में उच्चस्तरीय समिति के सदस्यों ने

बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर का निरीक्षण किया। आचार्य प्रभारी प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने छात्र अधिष्ठाता प्रो. केके सिंह, मुख्य आरक्षाधिकारी प्रो. अभिमन्यु सिंह, छात्र शिकायत प्रकोष्ठ ग्रिवांस सेल अध्यक्ष प्रो. पीके मिश्र एवं यूनिवर्सिटी स्पोर्टस बीर्ड के वाइस प्रेसिडेंट प्रो डीसी राय का स्वागत किया। सदस्यों ने मालवीय उद्यान में पं. मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सर्वप्रथम स्पोर्टस कांप्लेक्स का दौरा कर खेल सुविधाओं को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। तद्पश्चात छात्रावासों का निरीक्षण किया। छात्रावास में सुविधाओं को छात्र-छात्राओं के अनुरूप करने की सलाह दी। पशु चिकित्सा विज्ञान संस्थान का भी निरीक्षण किया। रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार सिंह ने शिक्षक, गैर शैक्षणिक कर्मचारी एवं अधिकारियों के साथ बैठक किया। परिसर में विभिन्न गतिविधियों के बारे में बात की। नए सत्र में छात्र एवं छात्राओं को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया। नया सत्र सुचारु रूप से संचालित हो सके। डीन पशु चिकित्सा विज्ञान संस्थान प्रो. शाहिद परवेज, प्रो. एनके सिंह, छात्रावास समन्वयक डा. बीएमएन कुमार, उप मुख्य आरक्षाधिकारी डा. महीपाल चौबे, डा. मनोज कुमार मिश्रा आदि रहे।

ट्रेन से गिरे युवक की मौत, दूसरे क्षेत्र में शव रखने पर कटरा पुलिस नाराज

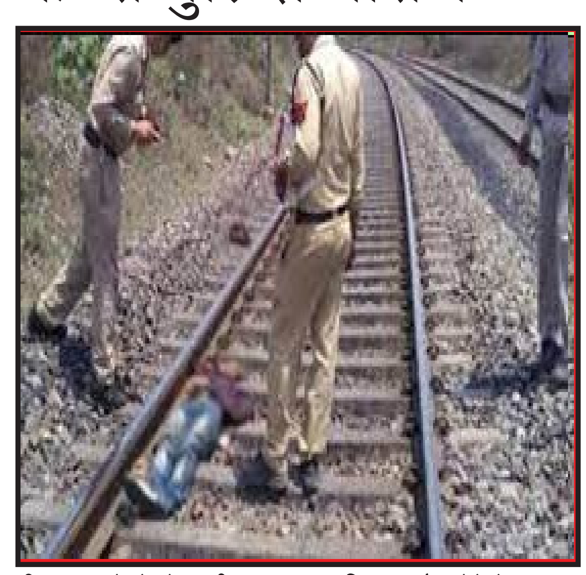

मीरजापुर। रेलवे स्टेशन मीरजापुर में 24 घंटे के अंदर दो घटनाएं हुईं। इसमें 35 वर्षीय एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई जबकि 65 वर्षीय दूसरा व्यक्ति नैनी जाते समय ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गया। घायल को मंडलीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां हालत गंभीर बनी हुई है। हैरत की बात यह कि रेलवे स्टेशन पर गिरकर मौत होने के बावजूद अज्ञात युवक का शव संदिग्ध परिस्थितयों में स्टेशन के बाहर पहुंचा दिया गया। जब कटरा पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने को वहां पहुंची तो उसे पता चला कि जीआरपी के सिपाहियों ने उसे कटरा क्षेत्र में लाकर रख दिया है। यह सुन पुलिस अधिकारी नाराज हो गए।

मां का अंतिम संस्कार कर लौटे, इधर साले की मौत की खबर आई

कछवां (मीरजापुर)। बजहां गांव के रहने वाले व्यापारी मुनन भाई बुधवार की दोपहर अपनी मां 70 वर्षीय सोबरा खातून की मौत के बाद अंतिम संस्कार कर लौटे। इधर शाम को आई आंधी में उनके साले 22 वर्षीय फैजान उर्फ राजा पुत्र शौकत की छत से गिरकर मौत होने की खबर आई। एक साथ दो-दो मातम की खबर मिलने पर वे टूट से गए।

नगर पालिका की आय बढ़ाने को उठाएं उचित कदम

मीरजापुर । विंध्याचल स्थित अष्टभुजा निरीक्षण गृह में नगर पालिका वित्तीय संसाधन विकास बोर्ड की बैठक बुधवार को हुई। इसमें उप्र नगर पालिका वित्तीय संसाधन विकास बोर्ड लखनऊ के सचिव पप्पू गुप्ता ने आय बढ़ाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही नगर निकाय के संसाधनों में वृद्धि, करों में पारदर्शिता, आनलाइन स्वकर निर्धारण सहित निकाय की राजस्व क्षमता व संग्रहण पर चर्चा की गई। नगरीय निकायों के संसाधनों में वृद्धि के उपायों के प्रति जागरूक बनाने, सम्पत्ति कर एवं अन्य करों का पारदर्शी तरीके से निर्धारण करने के लिए सुझाव दिया। कहा कि निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कर एवं करेत्तर के माध्यम से आय के स्रोतों को बढ़ाने का प्रयास किया जाए। बोर्ड की ओर से सभी नगरीय निकायों की स्वयं की संपत्तियों की सूचना का डिजिटलाइजेशन करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान एडीएम शिव प्रताप शुक्ल, अधिशासी अधिकारी मीरजापुर ओम प्रकाश, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद यादव आदि शामिल रहे।

मध्यप्रदेश में चुनाव के मद्देनजर यूपी-एमपी अधिकारियों संग बनी रणनीति

हलिया (मीरजापुर) । मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर बुधवार को यूपी-एमपी बार्डर पर स्थित हनुमान गेस्ट हाऊस पर मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश के संयुक्त पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई।इसमें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सकुशल संपनन कराने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में यूपी-एमपी के सीमावर्ती गांवों के वारंटियों को अभियान चलाकर गिरफ्तार कर जेल भेजने तथा मतदान के 72 घंटे पहले यूपी-एमपी बार्डर भैसोड़ वलाय पहाड़ व जड़कुड़ पर पुलिसकर्मियों की ओर से चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान एसडीएम लालगंज विजय नारायण सिंह, सीओ लालगंज उमाशंकर सिंह मौजूद रहे।

महिला से बदतमीजी करने का वीडियो वायरल, तीन का चालान

मझवां (मीरजापुर) । क्षेत्र के बरैनी गांव में कुछ लड़कों की ओर से तलवार और हाकी लेकर एक महिला को गाली गलौज देने के साथ ही जान से मारने की धमकी देने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर तीन लड़कों को हिरासत में लिया। हालांकि तीनों को नाबालिग बताकर पुलिस ने उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया।

महुलार गांव में ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

लालगंज (मीरजापुर) । महुलार गांव में बुधवार को ट्रैक्टर पलट गया, जिसके नीचे दबने से 50 वर्षीय चालक शिवराम मौर्य की मौके पर मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिवार के लोग रोने-बिलखने लगे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गांव निवासी शिवराम मौर्य खेत की जोताई करने के बाद ट्रैक्टर लेकर घर की ओर निकले। सड़क पर चढ़ाते समय ट्रैक्टर अचानक असंतुलित होकर पलट गया। इस दौरान वह ट्रैक्टर के नीचे दब गए। जब तक लोग ट्रैक्टर हटाकर उन्हें बाहर निकालते तब तक उनकी मौत हो गई। शिवराम को चार पुत्र हैं और चारों का विवाह हो चुका है।

रिहंद का जलस्तर न्यूनतम से सात फीट ऊपर, हो रही निगरानी

रेणुकूट (सोनभद्र) । मानसून की बाबत रिहंड बांध के जल स्तर की निगरानी की जा रही है। इसका जलस्तर बुधवार को न्यूनतम से सात फीट ऊपर दर्ज किया गया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की

तुलना में एक फीट कम है। मानसून के जल्द आने के संकेत को देखते हुए रिहंद जल विद्युत गृह से पांच टरबाइनों को चलाकर आठ से 10 घंटे बिजली उत्पादन किया जा रहा है। मानसून की बाबत अधिकारी प्रतिदिन नजर बनाए हुए हैं। बांध का न्यूनतम जलस्तर 832 फीट निर्धारित किया गया है। विदित हो कि बांध के पानी से सिर्फ बिजली ही नहीं बल्कि दर्जनों कल-कारखाने भी निर्भर है। इसलिए इसके पानी का उपयोग सोच समझ कर किया जा रहा है। रिहंद के जलस्तर एवं जल विद्युत गृह पिपरी के विद्युत उत्पादन पर लखनऊ बोर्ड ही नहीं बल्कि दिल्ली तक की नजर रहती है। दिल्ली बोर्ड भी इसकी नियमित निगरानी कर रहा है। बिजली उत्पादन से निकलने वाले पानी से ओबरा विद्युत गृह भी अपने उत्पादन की क्षमता को बढ़ाता-घटाता रहता है, इसके अतिरिक्त रिहंद का पानी झारखंड व बिहार की नहरों को भी जाता है। रिहंद व ओबरा से 3.5 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन जल स्तर को बनाए रखने के साथ एक सप्ताह से रिहंद जल विद्युत गृह पिपरी एवं ओबरा जल विद्युत गृह से लगभग प्रतिदिन 3.5 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे विभाग को मानसून के अंतिम पड़ाव पर भी बिजली उत्पादन कर अच्छी खासी राजस्व की पूर्ति हो सके।

योग सप्ताह के दूसरे दिन नौ हजार प्रतिभागियों ने लिया भाग

सोनभद्र । आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर अमृत योग सप्ताह के तहत बुधवार को जनपद के तहसील, ब्लाक, ग्राम पंचायत एवं चिकित्सालय में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न संस्थानों व जगहों पर नौ हजार 125 प्रतिभागियों ने योगाभ्यास किया, जिसमें चुर्क स्थित पुलिस लाईन में 278, तहसील सदर में 460, ब्लाक चतरा में 310, ब्लाक नगवां में 1075, ब्लाक घोरावल में 550, चोपन ब्लाक में 450, म्योरपुर में 760, बभनी में 275, दुद्धी तहसील में 33 ने लोगों ने योगाभ्यास किया। इसके अलावा लोढ़ी स्थित 50 शैय्या आयुष चिकित्सालय में 518, आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालय में 906, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी कार्यालय में 314, मुख्य चिकित्साधिकारी 1653, महिला पतंजली योग समिति में 573, रेडक्रास सोसाइटी में 95, योग खेल संस्थान उत्तर प्रदेश कार्यालय में 573 लोगों ने योग का अभ्यास किया। 14 से 20 जून तक योग सप्ताह दिवस का आयोजन किया जाएगा। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर तियरा स्थित स्टेडियम में भव्य योग दिवस का आयोजन किया गया है। जिसमें अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने की अपील जिला प्रशासन ने की है। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य आमजन को योग की तरफ लेकर आने का है। भागदौड़ के इस समय में योग ही एकमात्र स्वस्थ रहने का कारक है।

कुर्सी पर बैठने को लेकर बराती व घराती में मारपीट, पांच घायल

जिगना (मीरजापुर) । विंध्याचल क्षेत्र के खम्हरिया कला गांव से बघेड़ा खुर्द के परौतीपुर मजरे में बरात आई थी। द्वार पूजा के बाद जयमाल कार्यक्रम के दौरान बरात के लोग कुर्सी पर बैठे थे, तभी लगभग आठ की संख्या में गांव के युवक आए और बरातियों को हटाकर कुर्सी पर स्वयं बैठना चाहे। इसी बात को लेकर कहासुनी के साथ मारपीट हो गई। इस घटना में बरात पक्ष से 14 वर्षीय अभयराज, 13 वर्षीय अम्बुज व 18 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र रामनारायण, 23 वर्षीय छविनाथ व 18 वर्षीय शक्तिदेव पुत्र भगवान दास घायल हो गए।

कोल खदानों में धधक रहा कोयला

अनपरा (सोनभद्र) । एनसीएल के कोल खदानों में समय से कोयले का उठान नहीं किए जाने से कोलयार्ड में हजारों टन कोयला जलकर राख हो रहा है। इन दिनों देश में कोयले की महत्ता काफी बढ़ी हुई है। कोयले की क्षति होना किसी भी दशा में दुर्भाग्यपूर्ण है। गौरतलब हो कि बीना परियोजना के कोलयार्ड नंबर-एक में भंडारण किए गये कोयले में आग लगी हुई है। जो धीरे-धीरे कोयले को जलाकर राख बना रही है। प्रबंधन द्वारा जगह-जगह वाटर स्प्रिंकलर लगाये गए हैं, जो आग बुझाने में नाकाफी साबित हो रहे हैं। कोयला एक स्वतः ज्वलनशील प्रदार्थ है। काफी दिनों तक कोयला भंडारण किए जाने पर उसके अंदर आक्सीजन मिलते ही सुलगने लगता है, जो पूरे ढेर को राख में तब्दील कर देता है। बीना परियोजना के कोल डिस्पैच अधिकारी संजीव दीक्षित ने बताया कि काफी हद तक कोयले की ढेर में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। कोयला प्रेषण का कार्य तेजी से जारी है। आगामी 10 दिनों में कोयले के प्रेषण समेत आग पर पूर्णतया काबू पा लिया जाएगा। कोलयार्ड नंबर-एक में अभी कोयला नही गिराया जा रहा है। केवल रिप पर ही आग लगी है।

भगवान हनुमान का हुआ श्रृंगार, भजन संध्या में झूमे भक्त

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पर मंगलवार की शाम मानस भजन समिति ने भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें भजन गायकों ने हनुमान जी की एक से बढ़कर एक भजनों को गाया। इसके पूर्व मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे ने भगवान हनुमान का भव्य श्रृंगार कर शाम की आरती की। मंदिर परिसर में भंडारे व शरबत का वितरण किया गया। पुजारी राजकुमार पांडे ने बताया कि ज्येष्ठ मास के आखिरी बड़े मंगलवार पर हनुमान जी की विधि विधान से पूजा की जाती है। इस दिन रामभक्त हनुमान से सच्चे दिल से मांगी गई मनन्त पूरी होती है। इसके अलावा भक्त के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस मौके पर डूंगरमल अग्रवाल, सत्येंद्र दुबे, अनुज शुक्ला, गया प्रसाद सिंह, जनार्दन, दीपू पांडे, सुरेश नंदन मिश्रा, दादे चौबे, शिवा पांडे, राहुल केसरी आदि रहे।

2022 में रोहित के बाद टीम इंडिया को जीत दिलाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बने रिषभ पंत

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के तीसरे टी20 मैच में भारत ने 48 रनों से जीत दर्ज कर अपनी सीरीज जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। इस मैच में कप्तान रिषभ पंत ने भले ही बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं किया और केवल 6 रन बनाए लेकिन बतौर कप्तान वो इस साल रोहित शर्मा के बाद दूसरे ऐसे भारतीय कप्तान बन गए जिन्हें जीत मिली है 2022 में इस मैच से पहले भारतीय टीम ने तीनों फार्मेट मिलाकर 18 मैच खेले थे जिसमें से 11 मैचों में रोहित शर्मा ने टीम इंडिया की कप्तानी की थी और बाकी 7 मैचों में टीम इंडिया का नेतृत्व अलग-अलग कप्तानों ने किया था। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी मैच जीते थे जबकि रोहित के अलावा केएल राहुल और विराट कोहली ने टीम इंडिया की कप्तानी की थी और उसे हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज में केएल राहुल के इंजर्ड होने के बाद भारतीय टीम की कमान रिषभ पंत को सौंपी गई थी। पहले दो मैचों में तो टीम को हार मिली लेकिन तीसरे टी20 मैच में भारत को रिषभ पंत के नेतृत्व में जीत मिली। इस साल रोहित के बाद वो दूसरे कप्तान हैं जिन्हें जीत मिली हैं। इस साल रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 3 वनडे, 6 टी20 और दो टेस्ट मैच खेले हैं और सभी में टीम को जीत मिली है। रोहित के अलावा विराट कोहली और केएल राहुल ने टीम इंडिया की कप्तानी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर की थी जहां उन्हें हार झेलनी पड़ी थी। कोहली की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में टीम को हार मिली थी जबकि इसी दौरे पर केएल राहुल की कप्तानी में टीम ने एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेली जहां उसे हार का सामना करना पड़ा था।

बनाया एक नया राष्ट्रीय रिकार्ड, टोक्यो ओलंपिक में बनाए अपने ही रिकार्ड को तोड़ा

नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड में पावो नुरमी गेम्स में मंगलवार को 89.30 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ अपने ही राष्ट्रीय रिकार्ड में सुधार कर रजत पदक जीता। इससे पहले, नीरज ने टोक्यो ओलिंपिक के दौरान 87.58 मीटर का थ्रो कर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया था। इस थ्रो के दम पर ही उन्होंने टोक्यो में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। नीरज का 10 महीने के बाद यह पहला टूर्नामेंट था और उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 89.30 का थ्रो किया जो उनका निजी सर्वश्रेष्ठ थ्रो बना। उन्होंने पहले प्रयास में 86.92 मीटर का थ्रो किया था, जबकि उनके तीसरे, चौथे और पांचवें प्रयास अमान्य करार दिए गए। नीरज ने अपने आखिरी प्रयास में 85.85 मीटर के थ्रो के साथ समापन किया। नीरज ने भले ही अपना राष्ट्रीय

रिकार्ड तोड़ा लेकिन वह फिनलैंड के ओलिवियर हेलांडेर से पीछे रहकर दूसरे स्थान पर रहे, जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हेलांडेर ने 89.93 मीटर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। नीरज चोपड़ा का इससे पहले राष्ट्रीय रिकार्ड 88.07 मीटर था, जो उन्होंने पिछले साल मार्च में पटियाला में बनाया था। उन्होंने 7 अगस्त, 2021 को 87.58 मीटर के थ्रो के साथ टोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीता था। बता दें कि पावो नुरमी गमिर्यों में फिनलैंड की शीर्ष ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिता है। पावो नुरमी खेलों की प्रतियोगिता 1957 से हर साल आयोजित की जाती है। पावो नुरमी खेलों का नाम प्रसिद्ध फिनिश मध्य और लंबी दूरी के धावक के नाम पर रखा गया है। यह एक विश्व एथलेटिक्स कान्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज इवेंट है, जो डायमंड लीग मीटिंग्स के बाहर सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है।

भारत के लिए टी20टी की पहली 13 पारियों में ईशान किशन ने बनाए इतने रन और तोड़ा गौतम गंभीर का रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में विशाखापत्तनम में पहली पारी में 20 ओवर में 5 विकेट पर 179 रन बनाए। टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में रुतुराज गायकवाड़ की 57 रन और ईशान किशन की 54 रन की पारी का बड़ा योगदान रहा। ईशान किशन का साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऊ20घ् में ये पहला अर्धशतक था तो वहीं क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में इंटरनेशनल लेवल पर उनका ये चौथे अर्धशतक रहा। किशन का ये 13वां इंटरनेशनल मैच था और इसकी 13 पारियों में उन्होंने 453 रन बनाकर गौतम गंभीर का रिकार्ड तोड़ दिया। 20 में ईशान किशन ने 13 मैचों की 13 पारियों में 37.75 की औसत से 453 रन बनाए हैं। अब वो भारत की तरफ से टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली 13 पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने गौतम गंभीर का

रिकार्ड तोड़ दिया जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी पहली 13 पारियों में 415 रन बनाए थे और ईशान किशन से पहले तीसरे नंबर पर थे। किशन ने अब गंभीर को पीछे छोड़ दिया और उन्हें चौथे नंबर पर धकेल दिया। भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट की पहली 13 पारियों में सबसे ज्यादा रन बनान के मामले में पहले नंबर पर केएल राहुल हैं जिन्होंने 500 रन बनाए थे तो वहीं विराट कोहली 461 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। किशन 453 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं तो वहीं 415 रन बनाकर गंभीर चौथे नंबर पर हैं। युवराज सिंह 390 रन के साथ पांचवें तो वहीं 320 रन के साथ रोहित शर्मा छठे स्थान पर हैं।

युजवेंद्र चहल ने बताया क्यों मिली उन्हें तीसरे मैच में सफलता और क्या थी उनकी योजना

नई दिल्ली। सीरीज में बचे रहने के लिए टीम इंडिया को तीसरा टी20 मैच हर हाल में जीतना जरूरी था और गेंदबाजों के दमपर टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को 48 रनों से हरा दिया। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया। चहल ने इस मैच में 3 विकेट और हर्षल पटेल ने 4 विकेट हासिल किए। चहल को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण ठप्लेयर आफ द मैचठ चुना गया। पहले मैच में चहल ने अपने 4 ओवर का कोटा भी पूरा नहीं किया था और केवल 2.1 ओवर की गेंदबाजी में विकेटलेस रहे थे जबकि दूसरे मैच में वो महंगे साबित हुए थे। उन्होंने 4 ओवर की गेंदबाजी में 49 रन खर्चे थे और केवल 1 विकेट उन्हें मिली थी। तीसरे टी20 मैच में चहल ने 4 ओवर की गेंदबाजी में केवल 20 रन देकर 3 विकेट लिए और जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम की मीडिल आर्डर बल्लेबाजी को पूरी तरह से खत्म कर दिया। उन्होंने ड्वेन प्रीटोरियस, वैन डर डुसैन और

हैनरिक क्लासेन को पवेलिया भेजा। वैन डर डुसेन पहले मैच के जीत के हीरो रहे थे जबकि क्लासेन ने दूसरे मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। चहल ने अपनी सफलता के बारे में कहा कि मैंने पिछले मैचों में तेज गेंदबाजी की थी। आज, मैंने अपनी सीम की स्थिति बदली। स्पिन करना और गेंद को डीप करना मेरी ताकत है। आज मैंने इसे टर्न कराने और धीमी गेंदबाजी करने की कोशिश की। मैंने अपनी ताकत के मुताबिक गेंदबाजी करने की कोशिश की और मैंने उसी पर ध्यान केंद्रित किया। जब बल्लेबाज रिवर्स स्वीप करने की कोशिश करते हैं तो गेंदबाजों के लिए मुश्किल हो जाती है। लेकिन अब मेरे पास उनके लिए दूसरी योजना है और उसी के अनुसार मैं फीलि्डंग सेट करता हूं। मैंने पिछले गेम में अच्छी गेंदबाजी नहीं की थी और कोच ने हमें अपनी ताकत के अनुसार काम करने की बात कही थी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा टी20 मैच 17 जून, शुक्रवार को सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम राजकोट में खेला जाएगा। यदि भारत को यह सीरीज जीतना है तो उसे बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे।

कपिल देव ने टी20 विश्व कप की टीम से रिषभ पंत को किया बाहर कहा- इन तीन विकेटकीपर को रखूंगा

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय विकेटकीपर रिषभ पंत का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। केएल राहुल के चोटिल होने के बाद टीम इंडिया की कप्तानी इस सीरीज में उनके हाथों में दी गई थी। लगातार दो मैच हारने के बाद टीम ने तीसरे मैच में जीत से वापसी तो कर ली लेकिन कप्तान के प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं देखने को मिला। इस बात के पूर्व दिग्गज कपिल देव बेहद नाराज हैं। उन्होंने तो विश्व कप की अपनी विकेटकीपर की लिस्ट से ही उनको बाहर कर दिया है भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिषभ पंत टी20 में अपने को अब तक साबित नहीं कर पाए हैं। लगातार मौके मिलने के बाद भी वह रन बनाने में कामयाब नहीं हो पा रहे। आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप की तरफ भारत बढ़ रहा है और विकेटकीपर की जगह एक ऐसी है जो सबकी नजर में है। इस जगह के लिए रिषभ पंत, संजू सैमसन,

इशान किशन और अब तो दिनेश कार्तिक भी अपनी दावेदारी रख चुके हैं। विश्व चैंपियन कप्तान कपिल ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो अगर जो मुझे यह कहा जाए कि आप तीन (दिनेश कार्तिक, इशान किशन और संजू सैमसन) विकेटकीपरों में से किसी एक को चुनिए तो मुझे लगता है कि ये सभी लगभग एक ही स्तर के हैं। मैं तो इन तीनों के बीच में ज्यादा अंतर नहीं देखता हूं। लेकिन बल्लेबाजी के लिहाज से तो हर एक दूसरे से कहीं ज्यादा बेहतर नजर आता है। अपने दिन पर ये तीनों के तीनों ही अपने अकेले दम पर भारतीय टीम के लिए मैच जीत सकते हैं। अगर जो आप रिद्धिमान साहा की बात करते हैं तो वो इन तीनों की ही तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर हैं लेकिन फिर बात जब बल्लेबाजी की आएगी तो बाकी तीनों के तीनों उनसे बहुत ही ज्यादा बेहतर हैं। मैं संजू सैमसन से बहुत ही ज्यादा निराश हूं। वह काफी ज्यादा टैलेंटेड हैं लेकिन यह खिलाड़ी एक दो मैच में रन बनाता है और फिर फेल होने लगता है। इनमें निरंतरता एक दम ही नहीं दिखती है।'

कैलेंडर में शामिल होगा आईपीएल विदेशी खिलाडियों के हिस्सा लेने का रास्ता हुआ साफ

नई दिल्ली। 2023 से 2027 सत्र के लिए आइपीएल मीडिया राइट्स 48,390 करोड़ में बेचे गए। आइपीएल के ब्रांड वैल्यू में आए इस उछाल से भविष्य में आइपीएल के विस्तार होने की भी दस्तक दे दी है। यही वजह है कि बीसीसीआइ

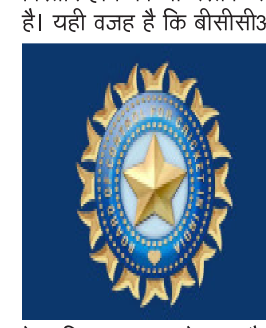

के सचिव जय शाह ने कहा है कि 2024 एडिशन से आइसीसी एफटीपी कैलेंडर (घ्ण्ण् इऊइ) में आइपीएल को बड़ा विंडो दिया जाएगा पीटीआइ से बातचीत करते हुए जय शाह ने कहा कि ठयह एक ऐसा पहलू है जिस पर हमने काम किया है। आपको बता दें कि अगले आइसीसी एफटीपी कैलेंडर में आईपीएल के लिए ढाई महीने की आधिकारिक विंडो होगी, ताकि सभी शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बिना किसी समस्या के आइपीएल में भाग ले सकें। इसके लिए हमने विभिनन्न बोर्डों के अलावा आइसीसी से भी बात की है वर्तमान में 2018 से 2023 के बीच वाला आइसीसी एफटीपी कैलेंडर चल रहा है जो वनडे वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा। यह वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर 2023 में भारत में खेला जाएगा। इसके अलावा बीसीसीआइ बाकी प्रपोजल पर भी बात कर रही है जैसे आइपीएल टीम का ओवरसीज टीम के साथ फ्रेंडली मैच खेलना। इसके लिए हमें क्रिकेट के बाकी बोर्डों से बात करनी होगी। हालांकि आइपीएल के ज्यादा मैच होने के बावजूद भी आइसीसी कैलेंडर को लेकर बीसीसीआइ अंतर्राष्ट्रीय मैचों को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट तभी मजबूत होगा जब वर्ल्ड क्रिकेट विकास करेगा। उन्होंने कहा कि सभी फार्मेट में सभी बाइलेटरल अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया जाएगा। हम इस महीने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में दो मैचों में आयरलैंड से खेल रहे हैं। हम एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय सर्किट चाहते हैं और छोटे क्रिकेट देशों को उनके खिलाफ खेलकर मदद करना चाहते हैं।

क्रिकेट के एक मैच में तीन विकेट लेने के मामले में युजवेंद्र चहल नंबर एक भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली। रिषभ पंत की कप्तानी में भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में दो हार के बाद अच्छी वापसी की और 48 रन से मैच में जीत दर्ज की। इस मैच में भारत के लिहाज से सबकुछ काफी अच्छा रहा चाहे वो बल्लेबाजी हो या फिर गेंदबाजी। गेंदबाजी के मोर्चे पर इस मैच में भारत के लिए हर्षल पटेल सबसे ज्यादा (4 विकेट) विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे तो वहीं युजवेंद्रा चहल ने भी 3 विकेट लिए और टीम की जीत में अपनी अहम भूमिका निभाई। युजवेंद्रा चहल पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में साउथ अफ्रीका के खिलाफ विकेट के लिए संघर्ष करते हुए देखे गए थे, लेकिन तीसरे मैच में उन्होंने अच्छा बाउंस बैक किया। चहल ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए और उन्होंने साउथ अफ्रीका के तीन मध्यक्रम के बल्लेबाजों को आउट कर मेहमान टीम की कमर ही तोड़ दी। चहल ने इस मैच में ड्वेन प्रीटोरियस को 20 रन, वान डेर डुसेन को एक रन और हेनरिक क्लासेन को 29 रन पर आउट किया। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये नौवां मौका था जब चहल ने किसी मैच में 3 विकेट लिए। चहल भारत की तरफ से ऊ20घ् के एक मैच में सबसे ज्यादा बार तीन विकेट लेने वाले गेंदबाज है। वहीं इस मामले में दूसरे नंबर पर अश्विन हैं जिन्होंने 6 बार ये कमाल किया है जबकि जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और भुवनेश्वर कुमार ने 5-5 बार ये कमाल किया है। आपको बता दें कि इस मैच में भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 179 रन बनाए और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 180 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में प्रोटियाज टीम 19.1 ओवर में 131 रन पर सिमट गई और उसे 48 रन से जीत मिली।

जानी बेयरस्टो का टेस्ट में तूफान महज इतने गेंदों पर ठोका शतक और इंग्लैंड को मिली 5 विकेट से जीत

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज जानी बेयरस्टो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाटिंघम टेस्ट यानी दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में तूफानी बल्लेबाजी का मुजायरा पेश किया। बेयरस्टो ने जिस तरह की बल्लेबाजी न्यूजीलैंड के खिलाफ वो भी दूसरी पारी में की उसे देखकर ऐसा तो बिल्कुल भी नहीं लगा कि वो टेस्ट मैच खेल रहे हैं। उन्होंने दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 92 गेंदों पर 7 छक्के और 14 चौकों की मदद से 136 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 147.83 का रहा। अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की जीत में बड़ी भूमिका निभाई और इंग्लिश टीम ने कीवी को 5 विकेट से हरा दिया। जानी बेयरस्टो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में सिर्फ 77 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और वो इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकार्ड जोसेफ के नाम पर दर्ज है जिन्होंने 1902 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंदों पर ये कमाल किया था। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड ने पहली पारी में डेरिल मिचेल (190 रन) और टाम ब्लुंडेल (106 रन) की शतकीय पारी के दम पर 553 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने ओली पाप के 145 रन और जो रूट के 176 रन की पारी के दम पर पहली पारी में 539 रन बनाए। न्यूजीलैंड को पहली पारी के आधार पर 14 रन की बढ़त मिली और कीवी टीम ने दूसरी पारी में 284 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड को जीत के लिए 299 रन का टारगेट मिला जिसे इंग्लैंड ने बेयरस्टो की 136 रन और कप्तान बेन स्टोक्स की नाबाद 75 रन की पारी के दम पर 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया और मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की।

भारत ने लगाई जीत की हैट्रिक, हांगकांग को 4-0 से हराया

कोलकाता। कप्तान सुनील छेत्री की अगुआई में भारत ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए एएफसी एशियन कप के अपने तीसरे व आखिरी क्वालीफायर मैच में हांगकांग को 4-0 से हरा दिया। इस मैच के पहले ही भारत टूर्नामेंट के मेन राउंड के लिए क्वालीफाई कर चुका था। हांगकांग के खिलाफ मैच से पहले तक भारत के छह अंक थे और वह दूसरे स्थान पर था। उस आधार पर उसने अपने आखिरी ग्रुप मैच से पहले ही क्वालीफाई कर लिया था। इस मैच में भारत ने 29 सालों के लंबे अंतराल के बाद हांगकांग पर जीत दर्ज की। हांगकांग पर 16 मैचों में यह उसकी आठवीं जीत है। भारत नौ अंकों के साथ ग्रुप-डी का टेबल टापर बनकर मेन राउंड में पहुंचा है। यह पहला मौका है जब भारत ने लगातार दूसरी बार एएफसी एशियन कप के लिए क्वालीफाई किया है। वह 2019 में लीग राउंड में बाहर हो गया था। भारत ने कुल मिलाकर पांचवीं बार (1964,1984, 2011, 2019 और 2023) में इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। अनवर अली ने मैच के दूसरे ही मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद छेत्री ने 45वें मिनट में दूसरा गोल दागा।

राशिफल

मेष-:अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए निजी संबंधों का इस्तेमाल करना आपके जीवनसाथी को नाराज कर सकता है. ख़र्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें और ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें।

वृष-:आज कोई अच्छी जानकारी मिलने वाली है. आज आपको मिलने वाले अवसरों के लिए खुद को तैयार करें। आपकी महत्वाकांक्षाएं आज चरम पर होंगी।

मिथुन-:अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें और फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम करें. खर्चों में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही आय में वृद्धि से संतुलन बनेगा।

कर्क-:आज का दिन व्यस्त रहेगा। बेहतर होगा कि अपने प्रोजेक्ट का काम समय पर पूरा कर लें। जीवनसाथी के साथ आज आपका समय शांतिपूर्ण रहने वाला है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा।

सिंह-:मित्र के साथ गलतफहमी अप्रिय स्थिति पैदा कर सकती है, किसी भी निणन्य पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण से जांच लें. अधिक खर्च और चतुर वित्तीय योजनाओं से बचें।

कन्या-:आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है. आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा जिससे आप सफलता की ओर तेजी से बढ़ेंगे। ऐसी सभी चीजों से दूर रहें जो आपकी प्रगति में बाधक हैं।

तुला-:आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है. आप जिन लोगों के साथ रहते हैं, वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी किया हो। आपके काम में रुकावट आ सकती है

वृश्चिक-:आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है. आज मन को व्यर्थ के विचारों में न भटकने दें। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके घर से शादी की बात शुरू हो सकती है।

धनु-:उदास और उदास न हों. आपके लिए आकर्षक निवेश योजनाओं के बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें, कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें। दोस्त और परिवार आपको प्यार और सहयोग देंगे।

मकर-:आज आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी और दुखी कर सकता है. दूसरों के सुख-दुःख बांटने की आदत विकसित करें। पिता के साथ तनाव दूर करने के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ-:धैर्य रखें, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको अवश्य ही सफलता दिलाएंगे. यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

मीन-:आज का दिन यादगार रहने वाला है. एक समूह गतिविधि का नेतृत्व करेंगे। परिवार से जुड़ी परेशानियां आज खत्म होंगी। आप भी दूसरों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सम्पादकीय

कृषि उपज के कारोबार में दूर होती बाधाएं, बाजार तक आसान होती किसानों की पहुंच

जिन किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल बेचने की गारंटी के लिए साल भर धरना-प्रदर्शन किया, वही आज अपनी उपज सरकारी एजेंसियों को न बेचकर एमएसपी से ऊंची कीमत पर निजी कारोबारियों को बेच रहे हैं। गेहूं ही नहीं सरसों, कपास, चना की बिक्री भी समर्थन मूल्य से अधिक कीमत पर हो रही है। सबसे बड़ी बात यह हुई कि अनाज की बिक्री के लिए पंजीकरण के बावजूद किसान अपनी उपज लेकर सरकारी खरीद केंद्रों पर नहीं जा रहे हैं, क्योंकि व्यापारी खुद उन तक जा रहे हैं। इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है। इस साल 29 मई तक 17.5 लाख किसानों से 184.5 लाख टन गेहूं की खरीद की गई। यह खरीद 2021-22 की सरकारी खरीद 433.4 लाख टन से 53 प्रतिशत कम है। सरकार ने 2022-23 के लिए 444 लाख टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन निजी कारोबारियों द्वारा 2,500 से 3,000 रुपये प्रति क्विंटल की आक्रामक खरीदारी के कारण किसान समर्थन मूल्य 2,015 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की बिक्री के लिए उत्साह नहीं दिखा रहे। जिन राज्यों में सरकारी खरीद का व्यवस्थित नेटवर्क नहीं है, वहां भी निजी एजेंसियां एमएसपी से ऊंची कीमत देकर गेहूं की खरीद कर रही हैं। यह भविष्य के लिए एक सुखद संकेत है। विश्व के गेहूं कारोबार में 29 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले रूस-यूक्रेन के युद्धरत होने के चलते दुनिया में गेहूं की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे विश्व में गेहूं की कीमतें बढ़ रही हैं। इसी कारण भारत सरकार ने गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाया। भविष्य में गेहूं की ऊंची कीमत मिलने की उम्मीद में भी बहुत से किसान उपज नहीं बेच रहे हैं। आज किसानों को एमएसपी से अधिक कीमत मिल रही है तो इसका श्रेय आठ वर्षों में मोदी सरकार द्वारा किए गए विपणन सुधारों को जाता है। मोदी सरकार कृषि उपज की खरीद-बिक्री में सरकारी क्षेत्र के समानांतर निजी क्षेत्र की मौजूदगी बना रही है। इससे खरीद में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका लाभ किसानों को मिलेगा। गेहूं, सरसों, कपास के मामले में तो यह लाभ मिलने भी लगा है। आगे अन्य फसलों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार परंपरागत मंडी व्यवस्था को सूचना प्रौद्योगिकी आधारित आधुनिक व्यवस्था में बदल रही है, ताकि कृषि उपज के कारोबार में बाधा न आए। इसके तहत मंडियों को राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) पोर्टल से जोड़ा जा रहा है, ताकि किसान सभी मंडियों में अपनी उपज का कारोबार कर सकें। 31 दिसंबर, 2021 तक 18 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों की 1,000 मंडियों को ई-नाम प्लेटफार्म में बदला जा चुका है। इससे 1.72 करोड़ किसान और दो लाख ट्रेडर्स जुड़े हैं। अब 1,000 नई मंडियों को ई-नाम पोर्टल से जोड़ने का काम जारी है। ई-नाम योजना को मिली सफलता को देखते हुए मोदी सरकार ग्रामीण हाटों को मिनी एपीएमसी मार्केट में बदल रही है। मनरेगा के तहत अब तक 1,351 ग्रामीण हाटों को बदला जा चुका है। 1,632 ग्रामीण हाटों को मिनी एपीएमसी मार्केट में बदलने की प्रक्रिया जारी है। 31 मार्च, 2020 तक देश में 6,845 एपीएमसी बाजार थे। किसानों की बाजार तक पहुंच बढ़ाने और बेहतर कीमत दिलाने के लिए उनका नियमन किया गया है। इनके अलावा देश भर में जो थोक बाजार खरीद केंद्र हैं, उन्हें भी सरकार विनियमित कर रही है। किसानों और बाजार के संबंध को मजबूत बनाने के लिए सरकार गोदाम और कोल्ड स्टोरेज को बाजार की मान्यता प्रदान करने जा रही है। उत्पादक केंद्रों को उपभोक्ता केंद्रों से जोड़ने के लिए सरकार किसान रेल चला रही है। इससे किसान दूरदराज के बाजारों में अपनी उपज बेच रहे हैं। इसके अलावा सरकार जल्द खराब होने वाले फलों-सब्जियों को उत्पादक केंद्रों से उपभोक्ता केंद्रों तक पहुंचाने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। पूवरेत्तर और हिमालयी राज्यों के शीघ्र खराब होने वाले फलों-सब्जियों की 'किसान उड़ान' से ढुलाई के लिए भी सब्सिडी दे रही है। चूंकि छोटे किसानों की बाजार तक पहुंच सीमित होती है इसलिए सरकार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बना रही है।

चीन के खिलाफ बनानी होगी नई रणनीति, वार्ता की आड़ में ड्रैगन भारत के पड़ोस में सेंध लगाकर घेराबंदी में भी जुटा

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद सुलझाने के लिए पिछले दस साल से चल रही वार्ता हास्यास्पद स्थिति में पहुंच गई है। ऐसा उदाहरण दुनिया में शायद ही कहीं देखने को मिले। रिश्ते सुलझने के बजाय वार्ताओं के दौर के साथ और ज्यादा ही उलझते गए। दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए स्थापित व्यवस्था (डब्लूयूएमसीसी) के तहत पिछली बैठक भी बेनतीजा रही। जनवरी 2012 से शुरू हुए वार्ता के इस सिलसिले में यह 24वीं कड़ी थी। पिछले हर दौर की तरह इस बार भी वार्ता इसी सहमति के साथ समाप्त हुई कि इस वार्ता के सिलसिले को जारी रखा जाए। दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच भी 25 दौर की वार्ता हो चुकी है और वे भी बेनतीजा ही रहीं। चीन की दलील है कि चूंकि सीमा विवाद बहुत पेचीदा है तो उसे किनारे रखकर दोनों देशों को आर्थिक, व्यापारिक और दूसरे क्षेत्रों में सहयोग करना चाहिए। वहीं भारत सरकार का कहना है कि भारत की जमीन पर कब्जा करके चीन ने खुद ही सीमा विवाद को पेचीदा बनाया है। एक ओर वह बातचीत का दिखावा कहता है तो दूसरी ओर कब्जाई भूमि की किलेबंदी करके आगे की भूमि पर दावा करता रहता है। लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल में चीनी सेना की नई आक्रामकता इसी रणनीति का हिस्सा है। यही कारण है कि भारत इस पर अड़ा है कि जब तक चीन मई 2020 की यथास्थिति पर नहीं लौटता तब तक उसके साथ किसी और विषय पर कोई बात नहीं होगी। चीन के साथ दस साल के वार्ताक्रम में भारत को समझ आने लगा है कि इसकी आड़

में चीन उसे उलझाकर न केवल सीमाओं पर भारत के खिलाफ अपनी सैनिक किलेबंदी मजबूत करने में लगा रहा, बल्कि भारत के पड़ोस में सेंध लगाकर उसकी घेराबंदी में भी जुटा हुआ है। इसके सहारे चीन भारत को हाशिये पर धकेल देना चाहता है, ताकि वह उसके विश्व शक्ति बनने के अभियान में बाधा न उत्पन्न कर सके। इसी दौरान चीन ने पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव और जिबूती जैसे कई देशों में ऐसी सामरिक-आर्थिक बिसात बिछाई है कि भारत के लिए उसकी काट बड़ी चुनौती बन गई है। यदि भारत की उत्तरी सीमा की बात करें तो 1951 में तिब्बत पर कब्जे के बाद चीन वहां एक लाख किमी लंबी सड़कें, हवाई अड्डे और सैनिक ठिकाने बना चुका है। उसने तिब्बत की सीमा पर 600 से ज्यादा आधुनिक गांव बसाकर अपनी पैठ मजबूत की है। जबकि भारत की अग्रिम रक्षा पंक्ति माने जाने वाले अधिकांश सीमावर्ती गांव तो सड़क-रोजगार के अभाव में लगभग उजड़ चुके हैं। मई 2020 में गलवन और लद्दाख के कई क्षेत्रों पर चीनी हमले का उद्देश्य यही था कि भारत का सीमावर्ती इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत होने से पहले ही दौलतबेग ओल्डी और सियाचिन पर कब्जा कर लिया जाए। हालांकि, दारबुक-श्योक-दौलतबेग ओल्डी सड़क बन जाने से गलवन में भारतीय सैनिकों को समय रहते नई कुमक मिल गई और यह इलाका चीन के हाथ जाने से बच गया। उसी तनाव के दौरान भारतीय सैनिकों ने लद्दाख की कैलास हाइट्स पर रातों-रात नए मोर्चे लगाकर सैनिक समीकरणों को भारत के पक्ष में कर दिया। यही कारण है कि गलवन में अपनी योजना के विफल होने के बाद पिछले दो साल में चीन ने डब्लूयूएमसीसी वार्ताओं के लिए अपनी उत्सुकता तो बढ़ाई है, लेकिन इसकी आड़ में वह उन कमजोरियों को दुरुस्त करने में जुटा है, जिनके चलते गलवन में उसका अभियान विफल हो गया था। अब उस इलाके में चीन ने आधुनिक उपकरणों से लैस नई चौकियां बनाकर, नए हवाई अड्डे बनाकर और मिसाइलें लगाकर इस कमजोरी की पूर्ति का प्रयास किया है। दुर्भाग्य से इन वार्ताओं के दौरान भारत ने चीन से कोई रियायत लिए बिना ही कैलास हाइट्स पर मिली बढ़त रूपी तुरुप के इक्के को गंवा दिया। चीन ने पैंगोंग झील के बीचोबीच दो नए पुल बनाकर स्थानीय रक्षा समीकरणों को फिर से पलट दिया है। अब भारतीय सेना के लिए झील की आठ में से शेष चार 'फगर्स' को बचाना भी एक चुनौती बन चुका है। यह मात्र दुर्योग नहीं कि एक ओर शांति बहाली के नाम पर चीन ने भारत से वार्ता की पहल की तो दूसरी ओर उसे घेरने के लिए बेल्ट एंड रोड जैसा दांव चला। इसकी शुरुआत 2013 में पाकिस्तान के साथ सीपैक संधि के रूप में हुई। उसके अंतर्गत चीन गुलाम कश्मीर के रास्ते अरब सागर तक सड़क बनाने और अपने नौसैनिक एवं व्यापारिक इस्तेमाल के लिए ग्वादर बंदरगाह बना रहा है। इसी तरह चीन ने 2014 में श्रीलंका के हंबनटोटा में, 2016 में मालदीव के फेंधू-फिनोलू द्वीप में, 2016-17 में जिबूती में और उससे पहले बांग्लादेश के चटगांव और म्यांमार के कोको द्वीप में जो नौसैनिक सुविधाएं हासिल कीं, उनके बूते वह भारत की सामुद्रिक घेराबंदी करने की ओर बढ़ रहा है।दुर्भाग्य से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी स्थितियां अभी भारत के बहुत अनुकूल नहीं हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले ने जहां अमेरिका एवं यूरोपीय देशों को उलझा दिया है, वहीं चीन की गोद में जा चुके रूस से भी अब भारत कोई बड़ी उम्मीद नहीं रख सकता। कहने को तो अमेरिकी पहल पर फिर से सक्रिय किए गए क्वाड से भारत को बहुत आशाएं हैं, लेकिन दक्षिण कोरिया, तिब्बत और वियतनाम से लेकर अफगानिस्तान और यूक्रेन जैसे दोस्तों को उनके नाजुक दौर में दगा देकर खिसक जाने वाले और उन्हें दुश्मन के रहम पर छोड़ जाने वाले अमेरिका का पिछला इतिहास यह भरोसा नहीं देता कि चीन के साथ युद्ध की हालत में वह सचमुच भारत के साथ खड़ा रहेगा। ऐसे में भारत को दो मोर्चों पर विशेष ध्यान देना होगा। एक तो यह कि चीन के साथ टकराव को डब्लूयूएमसीसी जैसी वार्ता के माध्यम से टाले रखकर भारत अपने ही बूते पर अपनी रक्षा पंक्ति को चीन का जवाब देने योग्य बना ले। दूसरा कदम यह हो कि अमेरिका के भरोसे रहने के बजाय भारत को जापान, ताइवान, आस्ट्रेलिया, वियतनाम, फिलीपींस और दक्षिण पूर्व एशिया के उन सभी देशों के साथ एक ऐसा आर्थिक एवं सामरिक संगठन बनाना चाहिए, जो चीन की दादागीरी के सताए हुए हैं और उन्हें भी चीन से टकराव की स्थिति में भरोसेमंद दोस्तों की सख्त जरूरत है।

नूपुर शर्मा विवादः सभ्य समाज को लज्जित करने वाले उपद्रव में शामिल मुसलमानों ने अपने ही समाज का अहित किया

इन दिनों भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा को लेकर जिस तरह सिर तन से जुदा के नारे लग रहे हैं, उससे कमलेश तिवारी की याद आना स्वाभाविक है। 2015 में जब सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाले कानून पर फिर से विचार करने का फैसला किया तो इस विषय पर आरएसएस के सकारात्मक रुख को लेकर सपा नेता आजम खान ने कहा कि इस संगठन के नेता तो होते ही समलैंगिक हैं। उनके इस बयान से गुस्साए हिंदू महासभा के नेता कमलेश तिवारी ने पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ एक ओछी-अपमानजनक टिप्पणी कर दी। मुस्लिम समाज में इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई। कमलेश तिवारी को तत्काल गिरफ्तार कर रासुका भी लगा दिया गया, फिर भी देश के कई हिस्सों में उनके खिलाफ उग्र-हिंसक प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के दौरान 'गुस्ताख-ए-रसूल की एक ही सजा, सिर तन से जुदा।' के नारे लगे। बिजनौर के एक मौलाना ने कमलेश का कत्ल करने वाले को 51 लाख रुपये देने की बात कही तो एक अन्य ने एक करोड़ 61 लाख रुपये देने की। इसके अलावा बंगाल के मालदा जिले के कालियाचक में मुसलमानों ने एक बड़ी रैली निकाली। इसमें करीब दो लाख लोग शामिल हुए। यह भारी भीड़ हिंसक हो गई और उसने कालियाचक थाने पर हमला कर उसे तहस-नहस करने के साथ 25 गाड़ियां जला डालीं। इनमें एक गाड़ी पुलिस की थी और एक बीएसएफ की भी। हिंसक भीड़ ने लूटपाट भी की। मालदा जैसी ही रैली बिहार के पूर्णिया में भी निकाली गई। यहां भी भीड़ हिंसक हो गई और उसने थाने पर हमला

करने के साथ कई वाहन क्षतिग्रस्त कर दिए। बिजनौर, सहारनपुर, आगरा, इंदौर, उदयपुर समेत अन्य शहरों में भी रैलियां निकाली गईं। इनमें हिंसा तो नहीं हुई, लेकिन कमलेश को फौरन फांसी पर लटकाने की मांग अवश्य की गई। इस पर गौर करें कि यह सब तब हो रहा था, जब कमलेश जेल में थे। साफ है कि यह एक बहाना ही है कि बीते शुक्रवार को तमाम शहरों में मुस्लिम सड़कों पर इसलिए उतरे, क्योंकि नूपुर शर्मा को गिरफ्तार नहीं किया गया। इस दौरान कई शहरों में पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी के साथ पुलिस पर हमला भी किया गया। उग्र रूप धारण कर सड़कों पर उतरे मुस्लिम और उन्हें हिंसा के लिए उकसाने वाले मुस्लिम समाज के धार्मिक-राजनीतिक नेता ही यह अच्छे से बता सकते हैं कि दहशत पैदा करने वाले इस उपद्रव से उन्हें क्या हासिल हुआ, क्योंकि देश को तो यही संदेश गया कि नूपुर शर्मा का विरोध करने के पीछे मूल मकसद उत्पात मचाना और लोगों को खौफजदा करना था। कम से कम रांची, प्रयागराज, सहारनपुर, हावड़ा, मुर्शिदाबाद आदि शहरों की घटनाएं तो यही कह रही हैं। इसके पहले कानपुर में हुए भीषण उपद्रव ने भी यही बयान किया था। दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में नूपुर शर्मा के खिलाफ एफआइआर दर्ज होने के सिलसिले के बीच यह याद करना जरूरी है कि कमलेश तिवारी को सितंबर 2016 में करीब 10 महीने बाद जमानत मिली और वह भी तब, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन पर रासुका लगाने के फैसले को गलत ठहराया। चूंकि कमलेश की जान को खतरा था इसलिए उन्हें सुरक्षा दी गई, लेकिन जिन्होंने उनका सिर तन से जुदा करने की ठान रखी थी, वे ऐसा करके ही माने। अक्टूबर 2019 को लखनऊ में उनकी हत्या कर दी गई। उन्हें पहले चाकुओं से गोदा गया और फिर गोली मारी गई। चाकू के अधिकांश वार गर्दन पर किए गए, क्योंकि मकसद सिर तन से जुदा करना था। कमलेश के हत्यारों की पहचान अशफाक और मोईनुद्दीन के रूप में हुई। बाद में उनके कुछ और साथी गिरफ्तार हुए। नुपुर शर्मा के खिलाफ देश के तमाम शहरों में हुए हिंसक प्रदर्शन जिस तरह कुछ इस्लामी देशों की नाराजगी के बाद हुए, उससे यह संदेह होता है कि उनके पीछे कोई साजिश थी। इस साजिश का संकेत इससे भी मिलता है कि अकेले ट्विटर पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का जो अभियान छिड़ा, उसमें पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्र आदि के भारत विरोधी तत्वों के अलावा अच्छी-खासी संख्या में भारतीय भी शामिल थे। ये कौन हो सकते हैं, इसका अनुमान लगाना कठिन नहीं। पता नहीं इनके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, लेकिन सभ्य समाज को लज्जित और आतंकित करने वाले उत्पात में शामिल मुसलमानों ने अपने समाज की बड़ी कुसेवा की है। इस उत्पात के बाद मुस्लिम समाज को मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयासों पर पानी फिर सकता है। ऐसा न होने पाए, इसकी सबसे अधिक चिंता मुस्लिम समाज के नेतृत्व को करनी होगी, लेकिन ऐसी कोई उम्मीद ओवैसी, अरशद मदनी, तौकीर रजा, आजम खान जैसे नेताओं और टीवी चैनलों पर प्रकट होने वाले बड़बोले मौलानाओं अथवा तथाकथित इस्लामी विद्वानों से करने का मतलब है मुगालता पालना। मुस्लिम समाज अपना और देश का भला चाहता है, तो उसे अपने बीच के उन लोगों की आवाज सुननी होगी, जो तार्किक हैं, आधुनिक सोच से लैस हैं और सदियों पुरानी इस्लामी मान्यताओं को खारिज करने के साथ कट्टरता और मतांधता का विरोध करते हैं। ये वे हैं, जो खुद को गोरी, गजनवी, बाबर, औरंगजेब से नहीं जोड़ते। ये उस अभियान का भी हिस्सा नहीं, जिसके तहत यह साबित करने की कोशिश हो रही है कि भारत में मुसलमानों को सताया, दबाया-कुचला जा रहा है। इनमें छात्र, युवक-युवतियां, कुछ सुधारवादी इस्लामी विद्वान और खुद को एक्स मुस्लिम कहने वाले भी हैं। भले ही इन्हें मुख्यधारा का मीडिया अपेक्षित अहमियत न दे रहा हो, लेकिन उनकी आवाज उभर रही है और असर भी कर रही है। पूरे मुस्लिम समाज को उन लोगों की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, जिन्होंने सड़कों पर उत्पात मचाया।

दोहरे चरित्र वाला इस्लामी सहयोग संगठन, चीन में उइगर मुस्लिमों के दमन पर आज तक नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

पिछले दिनों न्यूज चैनलों और इंटरनेट मीडिया पर गरमागरम बहस के दौरान सत्ताधारी भाजपा के दो राजनीतिक पदाधिकारियों ने कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। उनके अविवेक को पहचानकर भाजपा ने अनुशानात्मक कार्रवाई की और उन्हें दल से निलंबित-निष्कासित किया और यह स्पष्ट किया कि उनके द्वारा व्यक्त विचार पार्टी के नहीं हैं। सत्ताधारी दल ने यह भी घोषणा की कि वह सभी धर्मों का सम्मान करता है, पर इन कदमों के बावजूद इस्लामी देशों में इन टिप्पणियों को लेकर बवाल खड़ा किया गया और भारत सरकार से 'सार्वजनिक माफी' मांगने की मुहिम चलाई गई। खाड़ी के कई देशों में भारतीय राजदूतों को तलब किया गया। हालांकि भारतीय राजनयिकों ने ऐसे देशों के समक्ष स्पष्ट किया कि अपमानजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा चुकी है, फिर भी कुछ लोगों और संगठनों द्वारा भारत के खिलाफ रोष की लहर विश्व के अनेक इस्लामी देशों में फैलाई जा रही है। इससे यही लगता है कि वे अपने निहित स्वार्थों की खातिर भारत को दबाव में लेने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन (ओआइसी) ने ओछेपन की हद पार कर दी है। उसने आरोप लगाया है कि भारत में अल्पसंख्यकों का 'उत्पीड़न' हो रहा है। उसने यह फर्जी दावा भी किया कि भारत में 'इस्लाम के विरुद्ध घृणा' का वातावरण बन रहा है। गौरतलब है कि मार्च 2022 में इसी ओआइसी ने अपने कट्टरपंथी सदस्य देश पाकिस्तान के जरिये संयुक्त राष्ट्र में 'इस्लामोफोबिया' यानी इस्लाम से नफरत का मुकाबला करने के लिए एक अलग अंतरराष्ट्रीय दिवस का प्रस्ताव पारित कराया था। भारत, फ्रांस समेत कई देशों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार किया था और विश्व समुदाय को याद दिलाया था कि निष्पक्ष रूप से देखें तो दुनिया में बहुत से धार्मिक समुदायों का शोषण और दमन हो रहा है। केवल इस्लाम को ही एक पीडि़त पंथ का दर्जा देना अवांछित है और खतरनाक भी है, क्योंकि 'इस्लामोफोबिया' का चोगा पहनकर जिहादी आतंकी अपनी हिंसात्मक गतिविधियों को वैधता प्रदान करते हैं। सच्चाई तो यह है कि कई इस्लामी देश खुद अपने ही मुस्लिम नागरिकों के साथ औपचारिक तौर पर अत्यंत बुरा

बर्ताव करते हैं। सऊदी अरब में शिया, ईरान में सुन्नी, तुर्की में कुर्द, पाकिस्तान में अहमदिया और बलोच जैसे अनगिनत मुस्लिम तबकों को उनकी अपनी ही सरकारों ने द्वितीय श्रेणी का या उससे भी बदतर दर्जा दिया हुआ है। इन देशों और खासकर पाकिस्तान में तो गैर मुस्लिमों का जीना दूभर है। आज जो इस्लामी देश और संगठन भारत पर लांछन लगा रहे हैं, वे अधिकतर तानाशाही व्यवस्था वाले हैं। उनके यहां मानवाधिकार केवल शासक वर्ग को ही उपलब्ध है। ओआइसी के कई सदस्य देशों में नीतिगत स्तर पर इस्लाम को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है और बाकी अल्पसंख्यकों के पंथ उसके अधीन और इस्लाम से हीन माने जाते हैं। इन देशों में धार्मिक भेदभाव और सांप्रदायिकता की प्रवृत्ति भी है। कई ओआइसी सदस्य देशों में ईशनिंदा कानून लागू है। इसकी आड़ में बेगुनाह लोगों और खासकर अल्पसंख्यकों को इस्लाम के अपमान के आरोप में मृत्युदंड तक दिया जाता है। ऐसे देशों में असहिष्णुता भी कूट-कूट कर भरी है और वे अपनी कट्टरवादी नीतियों को विश्व भर में हावी होते देखना चाहते हैं, परंतु वैश्विक 'उम्मा' के नाम पर उग्र विदेश नीति की अपनी सीमाएं हैं। दुनिया उस तरह से नहीं चल सकती, जैसे कुछ इस्लामी देश चलाना चाहते हैं। जो ओआइसी भारत में की गई विवादित टिप्पणियों के आधार पर खुद को आहत बता रहा है, उसने चीन में उइगर मुसलमानों के दमन के साथ इस्लाम के खुले निरादर पर आज तक न तो कोई प्रतिक्रिया दी है और न ही बीजिंग से माफी की मांग की है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में, जहां करीब 20 करोड़ मुस्लिम चैन से रह रहे हैं और चीन जैसे निरंकुश देश में जमीन-आसमान का फर्क है, जहां सैकड़ों मस्जिदें तोड़ डाली गई हैं और लाखों मुस्लिम कैदखानों में बंदी हैं। फिर भी चीन से आर्थिक लाभ के लालच में ओआइसी के सदस्य देश भारत पर निशाना साधने में लगे हुए हैं। इस्लामी जगत का भारत और चीन के प्रति दोहरे मापदंड का एक और कारण है। भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, इंटरनेट मीडिया का खुलापन है और चुनावी राजनीति है। इससे रोजाना राजनीतिक बहस और विवाद उत्पन्न होते रहते हैं। इनमें से कुछ मुस्लिम देशों में बिजली की गति से पहुंचाए जाते हैं, क्योंकि भारतीय मूल के ही कुछ कथित 'उदारवादी' इन देशों में भारत की छवि खराब करने के एजेंडे पर चल रहे हैं। चीन में अगर कोई कम्युनिस्ट पार्टी का व्यक्ति मुस्लिमों के दमन की कोई जानकारी इस्लामी या पश्चिमी देशों को भेज दे तो उसे उसकी कीमत अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ती है। ओआइसी के दूषित दृष्टिकोण को ठीक करना लोहे के चने चबाने के बराबर है। मोदी सरकार ने खाड़ी के अपने मित्र देशों के सहारे ओआइसी के अंदर पैठ बनाकर उसमें कश्मीर और भारत में इस्लाम के बारे में पाकिस्तान, तुर्की, मलेशिया इत्यादि द्वारा फैलाए जा रहे फरेब को दूर करने की चेष्टा की है, फिर भी यह संगठन अपने संकीर्ण नजरिये और दुराग्रह से मुक्त नहीं हो पा रहा है। इसी कारण भारत ने इस संगठन पर एक बार फिर पलटवार किया है। भारतीय विदेश मंत्रलय ने ओआइसी पर 'निहित स्वार्थों के चलते विभाजनकारी एजेंडा' चलाने का जो आरोप लगाया, वह एक हकीकत है। इसके साथ ही मोदी सरकार ने मध्य-पूर्व में अपने सामरिक साझीदार संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और सऊदी अरब से संपर्क कर उनसे द्विपक्षीय स्तर पर मामले को ठंडा करने की पहल की है। खाड़ी के जिन देशों से भारत भारी विदेशी निवेश प्राप्त कर रहा है, वे व्यावहारिक मानसिकता के हैं। उन्हें भारत 'हिंदू राष्ट्र' नहीं, बल्कि बहुत बड़ा बाजार दिखता है। कट्टरवादी विचारधारा की चपेट मे फंसे ओआइसी को सुधारना मुश्किल है, पर भारत इस संगठन में शामिल अपने प्रभावशाली मित्रों का साथ लेकर इस सुचना युद्ध में विजयी हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जेपी नड्डा और अमित शाह से मिले हरियाणा सीएम मनोहर लाल

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में भाजपा समर्थित निर्दलीय कार्तिकेय शर्मा को वोट करने वाले कांग्रेस विधायक कुलदीप बिशनेई अब कभी भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल बुधवार को दिल्ली में राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्य कार्तिकेय शर्मा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले। इससे पहले सीएम ने हरियाणा भवन में बताया कि कुलदीप बिशनेई से उनकी कई मुलाकात हो चुकी हैं। कुलदीप के मन में भाजपा में शामिल होने का विचार है मगर वह क्या कर रहे हैं, क्या कहते हैं, यह वह जानें। कुलदीप जब भी भाजपा में आना चाहेंगे, उनका स्वागत है। नड्डा और शाह से मिलने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में दोनों सीट जीतने पर पार्टी नेतृत्व खुश है। 19 जून के बाद दोनों नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य दोबारा पार्टी नेतृत्व से मिलेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्यसभा चुनाव में क्रास वोटिंग को लेकर कांग्रेस में चल रही खींचतान के बीच नया पैंतरा फेंका है। मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर कांग्रेस प्रभारी विवेक बंसल को चुनौती दे दी है। उन्होंने कहा कि बंसल को सब पता है किसने क्रास वोट की और किसकी वोट रद हुई। साथ ही मुख्यमंत्री ने विवेक बंसल को यह चुनौती भी दे दी कि वह अपनी पार्टी के विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने साहस दिखाएं। यदि उन्होंने ऐसा किया तो वे उनके साहस की सराहना करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के किस विधायक ने क्रास वोटिंग की है, इसकी पहचान तो पार्टी के अधिकृत एजेंट ही कर सकते हैं। विवेक बंसल चूंकि कांग्रेस के प्रत्याशी के अधिकृत एजेंट थे, इसलिए वोट देखने का काम उनका था। उन्होंने वह वोट जरूर देखा होगा। कांग्रेस जैसे ही उस विधायक पर कार्रवाई करेगी, भाजपा इसका स्वागत करेगी। दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड मामले में की जा रही पूछताछ पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करने देना चाहिए। हरियाणा के कांग्रेसियों द्वारा दिल्ली की सड़कों पर विरोध बेमायने हैं।

नोएडा सिपाही पर दूसरी शादी करने का आरोप, केस दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में तैनात यातायात पुलिस के सिपाही पर पहले से शादीशुदा होने के बावजूद महिला इंजीनियर से दूसरी शादी करने का आरोप लगा है। इसको लेकर इंजीनियर ने सेक्टर 20 थाने में सिपाही के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में एक महिला ने बताया कि वह निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उनका कहना है कि 12 दिसंबर 2020 को विपिन देओल नाम के युवक से उसकी शादी हुई थी। उसने खुद को कुंवारा बताया था। विपिन गौतमबुद्ध नगर में यातायात पुलिस में सिपाही है। पीडि.ता ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद ही विपिन उसके साथ बदसलूकी करने लगा। वह सप्ताह में तीन-चार दिन तक घर से बाहर रहता था। कुछ दिन बाद पीडिता को पता चला कि विपिन पहले से शादीशुदा है। उसके पतनी और बच्चे भी हैं। पीडि.ता का आरोप है कि विपिन ने उसे हत्या करने की भी धमकी दी है। पीडि.ता ने आशंका व्यक्त की है कि आरोपी उसकी हत्या करवा सकता है। पुलिस ने पीडि.ता की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब पुलिस के साथ पूरे रास्ते घबराहट में रहा लारेंस बिश्नोई

बठिंडा। दिल्ली से पंजाब लाया गया गैंगस्टर लारेंस बिशनेई पूरे रास्ते डर और घबराहट में था। उसका चेहरा मास्क से ढककर रखा गया। वह बार-बार पुलिस कमिन्यों

को चेहरे से मास्क उतारने के लिए कहता रहा। परंतु पुलिस अधिकारियों की हिदायतों के कारण पुलिस कमिन्यों ने उसके चेहरे से मास्क नहीं हटाया। पुलिस विभाग के उच्च स्तरीय सूत्रों के अनुसार वह पूरा डरा हुआ था और वह मास्क उतारने की जिद करता रहा। रात के समय जब खाना खाने के लिए रुके तो भी वह घबरा गया था। वह रास्ते में खुद ही कहता रहा कि मुझे पीटना मत, मैं आपको सब कुछ बता दूंगा। बिशनेई को दिल्ली से पंजाब तक लाने वाली टीम में से एक सदस्य ने बताया कि जब उसे पंजाब लाया जा रहा था तो वह बार-बार उन्हें यही कह रहा था कि जो भी आप पूछेंगे, सच-सच बता दूंगा। बस मुझे पीटना नहीं। वह यह कहते हुए मास्क हटाने के लिए कहता रहा कि उसे घबराहट हो रही है। उसे थोड़ी देर के लिए मास्क उतारकर राहत दें, परंतु पुलिस कमिन्यों ने मास्क नहीं हटाया। उधर, होशियारपुर की केंद्रीय जेल में बंद गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के जीजा गोरा को पंजाब पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। सूत्रों के अनुसार उसे थाना माडल टाउन होशियारपुर पुलिस की टीम ने रिमांड हासिल किया है और उसे भी खरड़ सीआइए स्टाफ ले जाया गया है। सूत्रों के अनुसार तिहाड़ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाए गए गैंगस्टर लारेंस विशनेई से पूछताछ के बाद गोरा गोरा और उसके एक साथी नीरज को प्रोजक्शन वारंट पर लिया गया है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अन्तर्गत आज श्रम विभाग के पदाधिकारीगण के साथ आयोजित की गई बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा श्री जयहिंद कुमार सिंह, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतबुद्धनगर की अध्यक्षता में आज 4:30 बजे श्रम विभाग के पदाधिकारीगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अन्तर्गत 12.6.22 से 20.6.22 तक जनपद में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किये जाने के संबंध में चर्चा की गयी। बैठक में बाल श्रम को रोकने हेतु पेम्फलेट, बैनर आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया। बैठक में श्री राजीव वत्स, अपर जिला जज/एफटीसी, श्री जयहिंद कुमार सिंह, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के साथ श्रम विभाग की ओर से उपस्थित हुये श्री संजय कुमार लाल, सराधन एवं श्रम परिवर्तन अधिकारी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ में फैला कोरोना, जून के 15 दिनों में करीब 400 संक्रमित मिले, 238 एक्टिव केस

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में कोरोना की चौथी लहर की आहट शुरू हो गई है। विशेषज्ञों ने जून में चौथी लहर की चेतावनी जारी की थी। वहीं शहर में लगातार कोरोना मरीज बढ़ रहे हैं। अब शहर के अस्पतालों में गंभीर मरीजों को भर्ती

किया जा रहा है। इस समय 24 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें अधिकतर संक्रमित मरीज जीएमएसएच-16 में भर्ती किए गए हैं। इस समय 238 सक्रिय मरीज हैं। जून में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़े हैं। एक से 15 जून तक 391 नए केस सामने आ चुके हैं। वहीं मई महीने में 379 मरीज मिले थे, लेकिन जून के आधे महीने में ही इससे ज्यादा संक्रमित शहर में मिल चुके हैं। पहली जून को 22 मरीज मिले थे। दो जून 20, तीन जून 19, चार जून 15, पांच जून 24, छह जून 12, सात जून को 19 नए मरीज, आठ जून को 22, नौ जून को 25, 10 जून को 35 और 11 जून को 35, 12 जून को 46, 13 जून को 25, 14 जून को सबसे ज्यादा 48 नए मामले मिले थे जो पिछले लगभग 4 महीनों में एक ही दिन में सबसे ज्यादा केस थे। ऐसे में अब स्वास्थ्य विभाग की चिंता भी बढ़ने लगी है। क्योंकि शहर में रोजाना नए मरीजों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में 22 नए कोरोना मरीज मिले हैं। पाजिटिव केस दर्ज किए गए। इनमें 14 पुरुष और आठ महिलाएं संक्रमित पाई गईं। संक्रमण दर 2.89 फीसद दर्ज किया गया।

माध्यमिक विद्यालयों का वेबपेज बनाने का कार्य पूरा टॉप टेन में शामिल हुआ जिला गौतम बुद्ध नगर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित राजकीय, अशासकीय एवं वित्तविहीन विद्यालयों का वेबपेज बनाने का कार्य पूरा हो गया है। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 152 स्कूलों का वेबपेज बनाकर दिया है। ऐसे में प्रदेश के 52 जनपदों की सूची में गौतमबुद्ध नगर टॉप टेन जिलो की सूची में शामिल हो गया है। साथ ही बच्चों की ई मेल आईडी बनाने का कार्य भी जारी है,जिसको जल्द से जल्द पूरा कर दिया जाएगा। शिक्षा संबंधी सुविधा, दाखिला व फीस संबंधी सभी जानकारी ऑनलाइन ही मिलेगी। 152 स्कूलों की बनाई गए वेबपेज, जानकारी अपलोड बता दे कि जिले में 152 राजकीय इंटर कॉलेज, अशासकीय सहायता प्राप्त व वित्तविहीन विद्यालय हैं। मुख्यमंत्री ने 100 दिन के अंदर माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी विद्यालयों को अपनी वेबसाइट बनाने के साथ ही कई अन्य जानकारी मुहैया करने आदेश दिए थे। ऐसे में जनपद ने सभी स्कूलों के वेबपेज तैयार कर ली। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ.धर्मवीर सिंह ने बताया कि निजी स्कूल की तरह अब सरकारी स्कूलों की भी वेबसाइट बनाने का कार्य पूरा हो चुका है। जिले के 152 स्कूलों की टेकिन्कल चीजों से जुडी जानकारी काम पूरा हो चुका है, इसमें प्रदेश के 75 जनपदों की सूची जारी की गई है। जिसमें गौतम बुद्ध टॉप टेन जिलों की सूची में सातवें स्थान पर है। टीम ने 80, 165 हजार बच्चों में से करीब 80 फीसदी से अधिक बच्चों की ई मेल आईडी बना दी है। साथ ही अन्य की भी बनाने के लिए तैयारी चल रही है जिसके माध्यम से छात्र- छात्राओं को कक्षा में होने वाली सारी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलेगी।

जुमे की नमाज से पहले दिल्ली से आया करोड़ों मुस्लिमों के लिए बड़ा संदेश

नई दिल्ली। मुल्क के विभिन्न स्थानों पर जुमे की नमाज के बाद हो रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच पुरानी दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे ऐसे तत्वों पर नजर बनाए रखें जो मुल्क को दंगे की आग में झोंकना चाहते हैं। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी व महमूद मदनी के साथ ही तौकिर रजा खान जैसे नेताओं का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि ऐसे चंद लोग है जो कौम को बर्बादी की राह पर ले जाना चाहते हैं, ऐसे तत्वों से सावधान रहना होगा।

इसके लिए समाज के समझदार व जिम्मेदार लोग, जनप्रतिनिधि व बुजुर्ग लोगों को सामने आना होगा।उन्होंने अब तक देशभर में हुए हिंसक प्रदर्शनों को गलत बताते हुए कहा कि यह जरूरी था कि इसके लिए पहले से प्रशासन से सहमति ली जाती। समाज के लोगों को भी साथ में लिया गया होता। यह सही है कि पैंगबर मुहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है, लेकिन इसका विरोध करने का तरीका अलग होता। शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन होता। उसमें बच्चों और युवाओं को शामिल नहीं किया जाता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चंद लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू किए।

अग्निपथ स्कीम का बिहार में जबर्दस्त विरोध, जहानाबाद, बक्सर, आरा में रोकीं ट्रेनें; अरवल, सिवान, नवादा में भी बवाल

पटना। सेना में भर्ती के लिए सरकार की नई योजना 'अगिन्पथ' का विरोध बिहार में लगातार दूसरे दिन जोर पकड़ चुका है। गुरुवार को पटना - गया रेलखंड, पटना-पीडीडीयू रेलखंड, गया- किउल रेलखंड, छपरा- सिवान रेलखंड पर युवाओं ने ट्रेन परिचालन बाधित करने की कोशिश की है। बक्सर,

जहानाबाद, नवादा, आरा में रेलवे स्टेशन पर रेल ट्रैक पर युवाओं ने प्रदर्शन किया है। इसके अलावा सिवान, अरवल सहित कई शहरों में हंगामा हुआ है। बुधवार की शाम गया में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के काफिले पर इसी विषय पर हंगामे के दौरान पथराव किया गया था। बुधवार को पटना, भागलपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय सहित और भी कई शहरों में हंगामा हुआ था। जहानाबाद स्टेशन पर नई योजना के विरोध में सेना बहाली की तैयारी करने वाले युवा प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां युवाओं ने ट्रेनों के साथ स्टेशन के ठीक बगल से गुजरने वाले एनएच पर वाहनों का आवागमन भी बाधित कर दिया है। अरवल में भी आर्मी बहाली को लेकर हंगामा हुआ, जिसे प्रशासन ने दो घंटे की मशक्कत के बाद शांत करा लिया। इधर, बक्सर और नवादा में भी हंगामा शुरू हो गया है। बक्सर में गुरुवार की सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में युवक किला मैदान में एकत्र हुए और यहां से जुलूस के रूप में नारे लगाते हुए स्टेशन की ओर रवाना हो गए। युवकों ने लगातार दूसरे दिन बक्सर में रेल ट्रैक जाम कर हंगामा शुरू कर दिया है। आरा शहर में भी युवा इकट्ठा होकर रेलवे स्टेशन की तरफ बढ़े हैं। आपको बता दें कि बुधवार को सेना बहाली के नियमों में बदलाव के विरोध में बक्सर रेलवे स्टेशन पर करीब 45 मिनट तक रेल परिचालन बाधित किया था। गया में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के काफिले पर पथराव किया गया था और मुजफ्फरपुर में भी काफी हंगामा हुआ था। इधर, बक?सर में लगातार दूसरे दिन युवा इकट्ठा होकर विरोध कर रहे हैं। जहानाबाद में सेना बहाली को लेकर युवकों ने किंजर-कुर्था मोड़ एवं पालीगंज पथ को पूरी तरह जाम कर दिया है। इन युवाओं का कहना है कि सेना भर्ती प्रक्रिया को दो साल से रोक रखा गया है। इस बीच सेना बहाली की तैयारी करने वाले युवाओं की उम्र खत्म हो रही है। युवाओं का कहना है कि सेना भर्ती की प्रक्रिया पुराने नियमों के अनुसार तुरंत शुरू करनी चाहिए। आर्मी बहाली की मांग कर रहे युवाओं ने दिल्ली - हावड़ा मुख्य रेल मार्ग के पटना - पीडीडीयू रेलखंड के बक्सर स्टेशन पर यातायात बाधित किया था। बुधवार की सुबह बक्सर में युवाओं ने काशी - पटना जनशताब्दी को काफी देर तक स्टेशन पर रोक कर रखा था। आरपीएफ और जीआरपी के प्रयासों के बाद ट्रेन परिचालन शुरू कराया गया था। मुजफ्फरपुर में युवाओं ने दो साल से लंबित सेना बहाली प्रक्रिया पूरी करने की मांग को लेकर सड़कों पर टायर जलाकर यातायात बाधित किया था और नारेबाजी की थी। इस दौरान पुलिस को लाठी चार्ज करते हुए भीड़ को कंट्रोल करना पड़ा था। गया के भुसुंडा मोड़ पर बुधवार की शाम सड़क जाम कर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इसी बीच रास्ते से गुजरते पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के काफिले पर पथराव कर दिया गया। हालांकि, इसमें किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। इसके बाद पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस मंगाकर स्थिति को नियंत्रित किया। केंद्र सरकार द्वारा युवाओं को महज चार साल के लिए सैन्य बलों में भर्ती की योजना के विरोध में छात्रों ने गुरुवार को अरवल और जहानाबाद में जमकर बवाल काटा। सुबह छह बजे ही अचानक एकजुट हुए युवकों ने अरवल के किंजर-कुर्था मोड़ एवं पालीगंज पथ को जाम कर दिया। छात्रों की संख्या 200 से ज्यादा थी। इस सूचना पर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा। युवकों ने वरीय अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग को रखा। करीब दो घंटे की मशक्कत बाद छात्र माने, जिसके बाद किंजर-कुर्था एवं पालीगंज पथ पर यातायात सेवा बहाल हुई। जहानाबाद में भी सुबह ही छात्रों का हुजूम पटना-गया रेलखंड पर जहानाबाद स्टेशन और पटना-गया एनएच 83 पर उतर आया। यहां भी जुटे 100 से ज्यादा युवकों ने खूब बवाल काटा है। छात्रों ने रेल पटरी पर बैठ कर ट्रैक को जाम कर दिया। इस कारण सुबह की ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया। सूचना पर आरपीएफ और जीआरपी पहुंची, लेकिन छात्र मानने को तैयार नहीं। यात्री परेशान हैं। वही स्टेशन के समीप ही छात्रों ने एनएच 83 को काको मोड़ के पास जाम कर दिया। इससे पटना-गया और जहानाबाद-बिहारशरीफ मार्ग में भी आवागमन बाधित हो गया है। दोनों सड़क मार्ग पर जाम लगा हुआ है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए हैं। छात्रों को मानने का प्रयास जारी है। स्टेशन और सड़क पर भारी संख्या में पुलिस जवान मौजूद हैं।

चीनी नागरिक की महिला मित्र के खाते में छह महीने में आए 52 लाख, हवाला एंगल से जांच शुरू

ग्रेटर नोएडा । नेपाल बार्डर पर पकड़े गए दो चीनी नागरिकों को ग्रेटर नोएडा में पनाह देने वाला उनका चीनी मित्र सु फाई बड़ा जालसाज साबित होता दिख रहा है। सूत्रों ने दावा किया है कि सु फाई की महिला

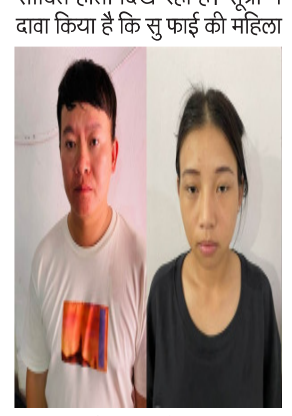

मित्र नगालैंड निवासी पेटेख रेनूओ के खाते में पिछले छह महीने में 52 लाख की ट्रांजैक्शन मिली है। यह रकम नकद व कई अन्य माध्यम से चीनी नागरिक की महिला मित्र के खाते में आई है। जांच एजेंसियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हवाला एंगल से जांच शुरू कर दी है। वही सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि चीनी नागरिक की महिला मित्र के खाते में करीब साढ़े चार रुपए बिटकाइन (भारत में बैन) के माध्यम से प्राप्त हुए मिले हैं। दरअसल, नेपाल बार्डर पर जासूसी के शक में पकड़े गए दो चीनी नागरिकों को ग्रेटर नोएडा में पनाह देने वाला उनका चीनी मित्र सु फाई ने पुलिस की पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां दी थी। उसी कड़ी को जोड़ते हुए खुफिया एजेंसी भी जांच में जुट गई। जांच के दौरान बुधवार देर रात पता चला है कि सु फाई की महिला मित्र पेटेख रेनूओ के कुल पांच बैंक खाते हैं, जिनमें एक खाते में छह महीने के अंदर मोटी ट्रांजैक्शन हुई है और दूसरे खाते में बिटकाइन से संबंधित रकम मिली है। ऐसे में खुफिया एजेंसी ने हवाला एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी है। यह बात पुख्ता होती दिख रही है कि पूरा मामला देश विरोधी गतिविधि से जुड़ा हुआ है। वहीं खुफिया एजेंसी ने ग्रेटर नोएडा के घरबरा गांव स्थित चीनी नागरिकों के शराब के अवैध अड्डे पर पहुंचकर बुधवार देर रात जांच की तो वहां से दो अन्य नेपाली लड़कियों को बरामद किया गया है। चीनी नागरिकों के शराब के अड्डे से अब तक कुल छह लड़कियां बरामद हो चुकी है। चीनी नागरिक उसकी महिला मित्र को बुधवार देर शाम कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। अब महिला मित्र के खाते में मोटी ट्रांजेक्शन मिलने के बाद जांच एजेंसियां उसको रिमांड पर लेकर फिर से पूछताछ करेंगी। सभी से पूछताछ की जा रही है। प्रथम दृष्टया पूछताछ के दौरान पता चला है कि अवैध अड्डे का पूरा काम चीनी नागरिक का भारतीय दोस्त रवि कुमार नटवरलाल तो देखता ही था उसके साथ-साथ चीनी नागरिक की महिला मित्र की भी मामले में पूरी संलिप्तता रहती थी।

बिहार में अगले 72 घंटे के लिए अलर्ट पांच जिलों में जबर्दस्त वर्षा के आसार पटना में मानूसन दिखाएगा असर

पटना। दक्षिण- पश्चिम मानसून के अगले 48 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग भागों में आगे बढे के लिए अनुकूल स्थितियां बनी हुई है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बादल छाने से मानसून आगमन का संकेत मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश भर में 72 घंटों का येलो-अलर्ट जारी करते हुए राज्य के कई हिस्सों में आंधी-पानी के बाद से मौसम में बदलाव देखने को मिला। राजधानी का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री ऊपर चढने के साथ 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बक्सर का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को पटना और बक्सर लू की चपेट में रहा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से दोपहर बाद प्रदेश अमौर में सबसे ज्यादा 58.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वहीं अररिया में 56 मिमी, किशनगंज के चरघरिया में 53.4 मिमी, अररिया के फारबिसगंज में 53.3 मिमी, किशनगंज के गलगलिया में 46.6 मिमी, सुपौल के त्रिवेणीगंज में 39.2 मिमी, निर्मली में 34 मिमी, मधुबनी के फुलपरास में 20 मिमी, सौलीघाट

साथ गरज और वज्रपात की चेतावनी दी है। ऐसे में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। वहीं सीमांचल के पूर्णिया, कटिहार, सुपौल, किशनगंज और अररिया जिलों में मेघ गर्जन के साथ अति वृष्टि को लेकर दो दिनों का अलर्ट जारी किया है। पटना में गुरुवार को बिजली चमकने के साथ वर्षा का पूर्वानुमान है। राजधानी में बुधवार को सुबह से उमस भरी गर्मी रही जबकि दोपहर के पटना, अरवल, जहानाबाद, गोपालगंज, नालंदा, नवादा, रोहतास, औरंगाबाद, लखीसराय, मुंगेर, बेगूसराय, सिवान, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण के लिए येलो और औरंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बादल छाए रहने के साथ वर्षा की स्थिति बने रहने के आसार है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई जगहों पर बादल छाए रहे। पूणिन्या के में सात मिमी, किशनगंज में 32.2 मिमी जबकि बहादुरगंज में 8.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बुधवार को बक्सर, गया, नवादा, नालंदा, वैशाली, जमुई, बांका, बेगूसराय, समस्तीपुर में अधिकतम तापमान में क्रमिक गिरावट दर्ज की गई। जबकि मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, खगडिया, भागलपुर, कटिहार में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई।

'ब्रह्मास्त्र' के पहले ट्रेलर में दिखी ऱ्इ रचित भव्य दृश्यों की भरमार, अब कहानी के लिए फिल्म का इंतजार

नई दिल्ली। लम्बे इंतजार के बाद 15 जून को आखिरकार 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 1- शिवा' का ट्रेलर इंटरनेट पर जारी कर दिया गया। भारतीय पौराणिक कथाओं में ब्रह्मास्त्र को अजेय अस्त्र माना जाता है, जिसके आगे बड़े से बड़ा शस्त्र विफल हो जाता है। निर्देशक अयान मुखर्जी ने इसी दैवीय अस्त्र के इर्द-गिर्द है, क्योंकि इसके मुख्य पात्र का नाम शिवा है, जो रणबीर कपूर निभा रहे हैं। ब्रह्मास्त्र पार्ट 1- शिवा के ट्रेलर में कहानी का ढांचा और सारे प्रमुख किरदारों से परिचय करवा दिया जाता है। अयान मुखर्जी ने अस्त्रावर्स की एक अनोखी दुनिया की रचना की है। शिवा एक साधारण युवा है, जो डीजे है। मुखर्जी के इस अस्त्रावर्स (ूनी) यानी अस्त्रों के यूनिवर्स में इस दौर के बेहतरीन कलाकार विभिनन भूमिकाओं में दिखेंगे। अयान ने जिस कहानी को कहने और दिखाने का बीड़ा उठाया है, उसके लिए बड़े स्तर पर वीएफएक्स, स्पेशल इफेक्ट्स की जरूरत है और वो ट्रेलर में साफ दिखता है। ब्रह्मास्त्र का पहला ट्रेलर

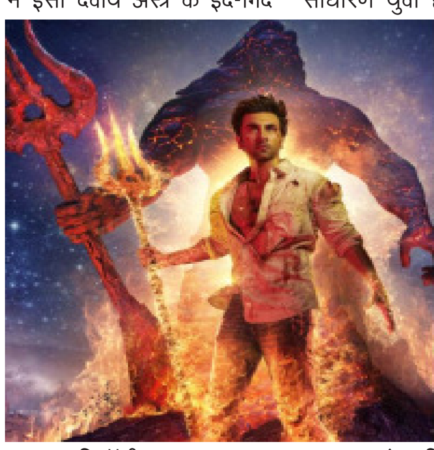

ब्रह्मास्त्र ट्रिलॉजी का कथा संसार बुना है और भारतीय माइथोलॉजी को इसमें गूंथा है। ब्रह्मास्त्र ट्रिलॉजी का विचार पहली बार सुनने में बड़ा अच्छा लगता है, खासकर मारवल की सुपरहीरो फिल्मों के दौर में, जहां वीएफएक्स, स्पेशल इफेक्ट्स, सीजीआई तकनीकों की मदद से एक अलग दुनिया की रचना कर दी जाती है और यह दुनिया इतनी वास्तविक लगती है कि दर्शक इससे बाहर नहीं निकलना चाहता। ब्रह्मास्त्र भी ऐसी ही दुनिया को भारतीय पर्दे पर लाने का महत्वाकांक्षी प्रयास है, पहला नहीं। इसके लिए अयान मुखर्जी के विजन और साहस को दाद देनी होगी। उन्होंने कुछ ऐसा सोचने की जहमत उठायी, जो भारतीय सिनेमा को अलग स्तर पर ले जा सकता है। हालांकि, यह बाद की बात है कि उनकी यह कोशिश कितनी कामयाबी हुई। ब्रह्मास्त्र ट्रिलॉजी को निर्माता करण जौहर की अपनी शिवा ट्रिलॉजी भी कहा जा सकता मगर, उसमें अग्नि की शक्ति है। आग उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती। ईशा (आलिया भट्ट), शिवा की प्रेमिका है। परलौकिक शक्तियों का स्वामी होने के कारण शिवा को यह एहसास कचोटता है कि इस दुनिया में कुछ ठीक नहीं हो रहा है और इसकी वजह है दैवीय अस्त्र ब्रह्मास्त्र, जिसे हासिल करने के लिए बुरी ताकतें पृथ्वी पर आ रही हैं, जिनका नेतृत्व मौनी रॉय का किरदार जुनून कर रही है, जो खतरनाक और परलौकिक शक्तियों की स्वामिनी है। पृथ्वी पर इस ब्रह्मास्त्र की रक्षा एक समूह करता है, जिसका नेतृत्व अमिताभ बच्चन का किरदार करता है। नागार्जुन अनीश नाम के कलाकार बने हैं, जो नंदी की शक्ति का स्वामी है। यह भी कहा जा सकता है कि यह सभी किरदार परलौकिक शक्तियों का पृथ्वी पर मानवीय रूप हैं। ट्रेलर में एक दृश्य है, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार शिवा से कहता है कि वो खुद एक अस्त्र है। अयान काटने में सारा जोर वीएफएक्स रचित घटनाक्रमों पर दिया गया है, जिससे कहानी का सार भर मिलता है। वीएफएक्स प्रभावित तो करता है, मगर इसकी अति खटकती भी है। वीएफएक्स की अतिरेकता से कहानी नेपथ्य में चली गयी है। किरदारों के संवाद भी काफी कम रखे गये हैं। भारतीय दर्शक मारवल और दूसरी सुपरहीरो फिल्मों के जरिए वीएफएक्स आधारित सिनेमा से खूब वाकिफ है, ऐसे में ब्रह्मास्त्र की नैया बॉक्स ऑफिस पर पार लगाने में सबसे बड़ा सहारा कहानी ही होगी। दो मिनट इक्यावन मिनट के ट्रेलर से फिल्म की भव्यता, कलाकारों की मेहनत और इस पर बहाये गये पसीने और पैसे का अंदाजा तो हो जाता है, मगर तीन भागों में फैली कहानी का विस्तार ही सफलता का सारथी बनेगा। कहानी का बहाव ही वीएफएक्स को जस्टिफाई करेगा। उम्मीद है, इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक ब्रह्मास्त्र अपने इंतजार को भी जस्टिफाई करेगी।

'ब्रह्मास्त्र' के लिए रणबीर कपूर और मौनी रॉय के बीच छिड़ी भीषण जंग

नई दिल्ली। डायरेक्टर अयान मुखर्जी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का ट्रेलर आखिरकार लंबे इंतजार को बाद रिलीज हो ही गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और एक्टर रणबीर कपूर की ये फिल्म सिल्वर स्क्रीन

पर अपना जादू चलाने को तैयार है। ट्रेलर रिलीज के पहले ही इसको लेकर सोशल मीडिया पर अच्छा खासा बज देखने के मिला। वहीं अब अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फिल्म के ट्रेलर में शिवा बने रणबीर कपूर का जबरदस्त और अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। यहां देखें ट्रेलर रणबीर कपूर और ?आलिया भट्ट की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का ट्रेलर आपके रोंगटें खड़े कर दगा। ट्रेलर की शुरूआत ही महानायक अमिताभ बच्चन के दमदार और गरजती हुई आवाज के साथ होती है। ट्रेलर में शुरूआत में जिस तरह से आग और अस्त्रों-शस्त्रों के विजुअल दिखाए गए हैं वो किसी को भी पलके न झपकानें पर मजबूर कर सकता है। वीडियो में अमिताभ बच्चन कहते हैं, 'अगनी, जल, वायु, प्राचीन काल से हमारे बीच कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो अस्त्रों में भरी हुई हैं। ये कहानी है इन सारे अस्त्रों के देवता की 'ब्रह्मास्त्र'। और एक ऐसे नवजवान की जो इस बात से अंजान है कि वो 'ब्रह्मास्त्र' के किस्मत का सिकंदर है 'शिवा'।' इसी के बाद ही वीडियो में आलिया भट्ट की एंट्री दिखाते हैं। इसके बाद फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन और मौनी रॉय निगेटिव रोल में दिखते हैं। रिलीज होते ही ये धमाकेदार ट्रेलर यूट्यूब पर धमाल मचा रहा है। महज कुछ ही मिनट में इसे लाखों व्यूज मिल चुके हैं।अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस सुपरनैचुरल साई-फाई फिल्म में रणबीर कपूर सुपर पावर शिवा के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं, तो आलिया भट्ट ईशा की भूमिका में नजर आने वाली हैं। ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अलावा सदी के महानायक अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी अहम किरदार में नजर आने वाली हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी ये फिल्म 09 सितंबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी की इस एक्ट्रेस ने पार कीं सारी हदें जींस की बटन खोलकर कराया बोल्ड फोटोशूट, देखकर फैंस के छूट गए पसीने

नई दिल्ली। छोटे पर्दे की बोल्ड एक्ट्रेस निया शर्मा हमेशा ही अपनी हॉटनेस की वजह से इंटरनेट पर छाई रहती हैं। एक हजारों में मेरी

बहना है' और 'नागिन' फेम निया एक्टिंग के साथ-साथ सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म पर काफी एक्टिव रहती हैं। निया अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोशूट से पूरी इंडस्ट्री में तहलका मचाती हैं। फैंस भी कई बार निया के बोल्ड लुक को देखकर हक्के-बक्के रह जाते हैं। इसी बीच एक बार फिर निया का लेटेस्ट फोटोशूट ने हर किसी को हैरान कर दिया है। ये तस्वीरें हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। यहां देखें तस्वीरे निया शर्मा ने हाल ही में एक बार फिर बोल्ड फोटोशूट कराया है। इस फोटोशूट की तस्वीरें निया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फोटोशूट के दौरान निया फुल डेनिम लुक में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि निया ने ब्लू डेनिम शॉर्ट शर्ट और जींस पहने नजर आ रही हैं। लेकिन निया ने कैमरे के सामने ही अपनी जींस के बेटन ओपन कर पोज दिए हैं। दरअसल, निया ने शूट के लिए जींस की बटन तक खोल दिए हैं। इस दौरन वो काफी बोल्ड नजर आ रही हैं। वहीं इस दौरान वो अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। मेकअप की बात करें तो निया ने ब्लू कलर की आई लाइनर लगाया हुआ है। वहीं उनके बाल ओपन है। निया का लाइट मेकअप उनपर काफी सूट कर रहा है। बता दें कि इस हॉट ड्रेस में निया की कातिल अदाएं फैन्स को दीवाना बना रहीं हैं। इस लुक में एक्ट्रेस हमेशा की तरह काफी बिंदास दिख रही हैं। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही हैं। अब तक इन तस्वीरों को काफी लोग लाइक कर चुके हैं। वहीं इस पर कमेंट कर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

महक चहल ने साड़ी पहनते हुए दिखाया अपना नॉटी अंदाज, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख छूटे फैंस के पसीने

नई दिल्ली। सलमान खान की फिल्म 'वांटेड' में अहम भूमिका में नजर आई एक्ट्रेस महक चहल खतरों से खेलने के बाद अब एकता कपूर के शो में नागिन बनकर अपना बदला ले रही हैं। वह टीवी के मोस्ट पॉपुलर सुपरनैचुरल शो 'नागिन 6' में प्रथा उर्फ तेजस्वी प्रकाश की बड़ी बहन की भूमिका में हैं। महक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और वह अक्सर सेट से कई मजेदार वीडियो शेयर करती हैं। हाल ही में महक ने अपने मेकअप रूम से एक ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसने इंटरनेट का तापमान एकदम हाई कर दिया है। महक चहल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। यह उनके शो 'नागिन 6' के सेट से मेकअप रूम का

एक वीडियो है, जिसमें उनकी हेयर ड्रेसर उन्हें साड़ी पहनाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन महक एक जगह ना रुककर मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। इस वीडियो में नागिन महक चहल सेल्फी एंगल से वीडियो बना रही हैं, जिसमें वह अपना हॉट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए महक ने कैप्शन में लिखा, 'मेकअप रूम फन' महक चहल के मेकअप रूम की मस्ती भरी ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती के साथ-साथ उनके परफेक्ट फिगर की भी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस की वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप बहुत ही फनी हो'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'आपकी ये वीडियो बहुत ही हॉट एंड खूबसूरत है'। अन्य यूजर ने महक से तेजस्वी के साथ रील बनाने की गुजारिश कर डाली। एकता कपूर के शो नागिन 6 में एक के बाद एक बड़ा ट्विस्ट आ रहा है। जहां महक अपनी ही बहन प्रथा को धोखा देकर उसके पति ऋषभ (सिंबा नागपाल) से शादी कर चुकी हैं। तो वही प्रथा ने ऋषभ के प्यार के लिए अपनी शेष नागिन की सारी शक्तियां गंवा दी हैं और वह अपनी देवरानी के कत्ल में अन्दर जेल में बंद हैं। इतना ही नहीं तेजस्वी प्रकाश अपने बच्चे को जन्म होते ही खो देती हैं, ऐसे में देखना ये है कि अब शो में सभी शक्तियां खो चुकी प्रथा(तेजस्वी प्रकाश)अपनी बहन का सामना कैसे करेंगी।

अपराध और अतीत के बीच संघर्ष करते दिखे राजकुमार राव, 'एचआईटी-द फर्स्ट केस' का टीजर हुआ रिलीज

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव आपनी आगामी फिल्म एचआईटी- द फर्स्ट केस को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। अब

निर्माताओं नें एक वीडियो साझा कर फिल्म से एक्टर का विक्रम की पहली झलक साझा की है, जिसने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। इस वीडियो में अभिनेता एक केस की जांच के दौरान आने वाली परेशानियों के बीच संघर्ष करते हुए दिख रहे हैं और अंत में इन उग्र परेशानियों से निपटने के लिए हथिया उठाते हुए भी नजर आ रहे हैं। थ्रिलर और सस्पेंस से भरी इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर अभिनेता ने लिखा, एक पुलिस वाला अपने अतीत से निपटने के दौरान अपराध के खिलाफ लड़ रहा है। इससे पहले मेकर्स ने एक मोशन पोस्ट शेयर किया था, जिसमें राजकुमार राव काफी अलग अंदाज में दिख रहे हैं। इस मोशन पोस्टर में एक कार रोड़ पर चलती हुई दिख रही हैं और आगे अभिनेता का चेहरा दिख रहा है। इस मोशन पोस्टर में अभिनेता कटी हुई दाढ़ी और दोनों कानों में बाली पहने हुए नजर आ रहे हैं। आपको बता दें, इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की कहानी एक होमिसाइड इंटरेक्शन टीम के एक अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देगी, जो एक लापता महिला को बचाने के लिए अपनी जान दाब पर लगा देता है। जानकारी के अनुसार, एचआईटी-द फर्स्ट केस इसी नाम की तेलुगु फिल्म का रीमेक है। शैलेश कोलानु के निर्देशन में बनी इस तेलुगु सुपरहिट फिल्म में विश्व सेन और एक्ट्रेस रूहानी शर्मा ने मुख्य किरदार निभाया है और शैलेश कोलानु ही फिल्म के हिंदी रीमेक का निर्देशन कर रहे हैं। वहीं, एचआईटी- द फर्स्ट केस के हिंदी रीमेक में अभिनेता राजकुमार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, तो अभिनेत्री सान्या मोल्हत्रा भी अहम किरदार में नजर आने वाली हैं। टी-सीरीज के बैनर तले बनी ये फिल्म 15 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फेम सिमरन बुधरूप को सोशल मीडिया पर मिली दुष्कर्म की धमकी

नई दिल्ली।टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा और पांड्या स्टोर में नकारात्मक भूमिका निभा रहीं सिमरन बुधरूप ने हाल ही में ये बताया कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर लगातार दुष्कर्म की धमकी मिल रही थी, जिसके बाद सिमरन ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पांड्या स्टोर में सिमरन बुधरूप 'ऋषिता' का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने यंग लड़कों द्वारा दी गई दुष्कर्म की धमकी के बारे में एक खास बातचीत में खुलासा किया और साथ ही बताया कि आखिर सोशल मीडिया पर उन्हें क्यों इस तरह की धमकी मिली। सोशल मीडिया पर मिली धमकी के बारे में सिमरन बुधरूप ने ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैं ये सभी कमेंट्स को हलके में लेती थी। क्योंकि मेरे किरदार की शो 'पांड्या स्टोर' में ऐसी हरकतें करता है कि मैं समझ सकती हूं कि लोग उसे नापसंद करते हैं। वह एक नकारात्मक किरदार है जोकि रावी और देव का जोकि शो के बड़े किरदार हैं उनका रिश्ता तुड़वा देती है। लेकिन लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर लगातार दुष्कर्म करने की धमकी मिलना और अभद्र भाषा के उपयोग ने अपनी सीमा पार कर दी। काफी कुछ ऐसी चीजें हुई जो सही नहीं थी, इसलिए मैंने पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज करवाने का निर्णय लिया था।

कोई 4 तो कोई 13 साल बाद बड़े पर्दे पर कर रहा वापसी, इन कलाकारों का 2022 में खत्म हो रहा वनवास

नई दिल्ली। रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्रह्मास्त्र का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म के ट्रेलर को देखते ही देखते 6 लाख 54 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग रणबीर कपूर इस सुपर नैचुरल फिल्म की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म संजू के बाद लगभग 4 साल तक बिग स्क्रीन से गायब रहें। हालांकि रणबीर कपूर बॉलीवुड के एकमात्र ऐसे एक्टर नहीं है जो लंबे गैप के बाद सिनेमाघरों में लौट रहे हैं। उनके अलावा भी कई ऐसे सुपरस्टार्स है जो कई सालों से स्क्रीन से दूर रहने के बाद अब शानदार वापसी के लिए तैयार हैं। तो चलिए देखते हैं इस लिस्ट में कौन-कौन शामिल है। शिल्पा शेट्टी का नाम इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। शिल्पा शेट्टी 13 साल के बाद बिग स्क्रीन पर शब्बीर खान की फिल्म 'निकम्मा' के साथ अपनी शानदार वापसी करने के लिए बिलकुल तैयार हैं। उनकी फिल्म इसी महीने 17 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। शिल्पा शेट्टी साल 2007 में रिलीज हुई बॉबी देओल और सनी देओल स्टारर फिल्म 'अपने' में अहम भूमिका में दिखाई दी थीं, इसके बाद उन्होंने कुछ फिल्मों में स्पेशल अपीरियंस किया, लेकिन अब वह 'निकम्मा' में 13 साल के बाद फुल फ्लेड्ज रोल में दिखाई देंगी। आमिर खान अपनी फिल्मों में परफेक्ट किरदार निभाने के लिए बहुत ही मशहूर हैं। वह साल में एक फिल्म से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देते हैं। हालांकि आमिर खान की साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' बुरी तरह से पिट गई थी। जिसके बाद आमिर खान अब 4 साल के बाद अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के साथ बिलकुल

तैयार हैं और फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के सामने आ चुका है, जिसे मिला-जुला रिस्पांस मिल रहा है। ये फिल्म 11 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। बॉलीवुड के ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन भी 3 साल तक बड़े परदे से दूर रहे। उनकी लास्ट फिल्म यशराज के बैनर तले बनी फिल्म 'वॉर' है, जो साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में ऋतिक और टाइगर की जोड़ी नजर आए थे। इसके बाद अब साल 2022 में ऋतिक रोशन फिल्म 'विक्रम वेधा' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह सैफ अली खान के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग ऋतिक रोशन ने हाल ही में पूरी की है। फिल्म 30 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करीना कपूर खान जब-जब स्क्रीन पर आती हैं तो अपने फैंस का दिल चुरा लेती हैं। लेकिन पिछले 2 वर्षो से उनके फैंस ने उन्हें बिग स्क्रीन पर नहीं देखा है। साल 2020 में करीना कपूर खान इरफान खान की फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' में पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखाई दी थीं। अब दो साल के बाद 2022 में करीना आमिर खान के साथ 'लाल सिंह चड्ढा' में बिग स्क्रीन पर दिखाई देंगी। कभी एक साल में दो-दो, तीन-तीन फिल्में करने वाले अभिनेता वरुण धवन भी दो साल तक बड़े परदे पर नहीं दिखाई दिए। उन्होंने साल 2020 में रेमो डिसूजा की फिल्म 'स्ट्रीट डांसर' में काम किया था। जिसके बाद अब वह साल 2022 में करण जौहर के निर्देशन में बनी फैमिली ड्रामा फिल्म 'जुग-जुग जियो में नजर आएंगे। ये फिल्म 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में वरुण के साथ पहली बार कियारा का रोमांस फैंस को देखने को मिलेगा।

शीशे के सामने सिर्फ बिकिनी ब्रालेट में दिशा पटानी ने दिए ऐसे पोज, तीसरी तस्वीर से नहीं हट रही फैंस की नजर

नई दिल्ली। बॉलीवुड की हॉट एंड बोल्ड एक्ट्रेसेस में शुमार दिशा पटानी हमेशा ही अपनी तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। बीच बेबी के नाम से फेमस दिशा सोशल मीडिया पर अक्सर ही अपनी बिकिनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। इसी बीच दिशा ने अपनी कुछ और बोल्ड कलर की बिकिनी ब्रा के साथ रेड पैंट में दिख रही हैं। तो वहीं दूसरी तस्वीर में दिशा रेड बिकिनी पहने शीशे के सामने ही अपनी सेल्फी लेते हुए काफी बोल्ड नजर आ रही हैं। तो वहीं तीसरी तस्वीर में उन्होंने अपने हाथ में एक पिंक रोज पकड़ा हुआ है। हमेशा ही तरह ही दिशा पटानी की ये तस्वीरें न सिर्फ सोशल

बिकिनी तस्वीरें पोस्ट कर इंटरनेट पर आग लगा दी है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड लुक देख भरी गर्मी में फैंस के पसीने छूट रहे हैं। यहां देखें तस्वीरें दिशा पटानी इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। दिशा की ये तस्वीरें उनकी हॉट मिरर सेल्फी है। इन तस्वीरों में वो एक बार फिर से बोल्डनेस का तड़का लगाकर फैस को दीवाना बना रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं कि दिशा बिकिनी ब्रा पहन कर शीशे के सामने दिलकश अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें हर किसी को हैरान करने ?के लिए काफी हैं। दिशा ने तीन तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वो ब्लैक मीडिय पर तेजी से वायरल हो रही हैं। बल्कि इस पर फैंस के लगातार रिएक्शन भी आ रहे हैं। इस पर कमेंट कर दिशा के चाहने वाले उन्हें हॉट, बोल्ड, गॉजियस और ब्यूटीफुल जैसे कमेंट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। दिशा पटानी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही मोहित सुरी की फिल्म 'एक विलन रिटर्न्स' में नजर आएंगी। फिल्म में एक्ट्रेस के साथ अर्जुन कपूर, जॉन अब्राहम और तारा सुतारिया अहम रोल में होंगे। इसके अलावा दिशा पटानी फिल्म 'योद्धा' में सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट लीड रोल प्ले करती दिखेंगी। इसके अलावा दिशा दीपिका पादुकोण, प्रभास और अमिताभ बच्चन की फिल्म में भी अहम भूमिका में दिखाई देंगी।

सताई अपने 'कोहिनूर' दिलीप कुमार की याद, फूट-फूट कर एक्ट्रेस को रोते देख फैंस का पसीजा दिल

नई दिल्ली।दिलीप कुमार ने साल 2021 में इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। एवरग्रीन एक्टर दिलीप कुमार के निधन ने उनके चाहने वालों का दिल पूरी तरह से तोड़ दिया था। लेकिन दिग्गज अभिनेता के देहांत के बाद सबसे बड़ा सदमा उनकी पतनी सायरा बानो को लगा था। दिलीप कुमार की आखिरी सांस तक उनकी सेवा करने वालीं उनकी पतनी और बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री सायरा बानो अक्सर उन्हें याद करते हुए काफी भावुक हो जाती हैं। हाल ही में सायरा बानो दिलीप कुमार के नाम का अवॉर्ड लेने के लिए पहुंची थीं, जहां वो एक बार दिलीप कुमार को याद करके फूट-फूट कर रोईं। सायरा बानो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखकर लोगों का दिल पसीज गया है। सायरा बानो के इस वीडियो को सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया । इस वीडियो में सायरा बानो दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के नाम का भारत रतन्डॉ. अंबेडकर अवॉर्ड लेती हुई नजर आ रही हैं। अवॉर्ड लेने के बाद जैसे ही सायरा बानो मीडिया से बातचीत करने आई उनकी आंखों से आंसू छलक गए।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

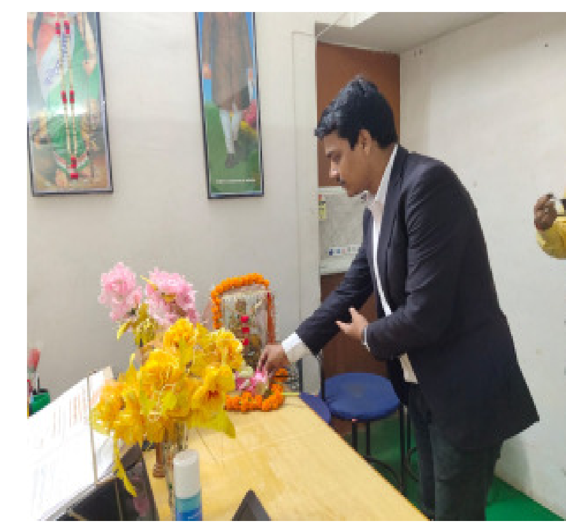

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

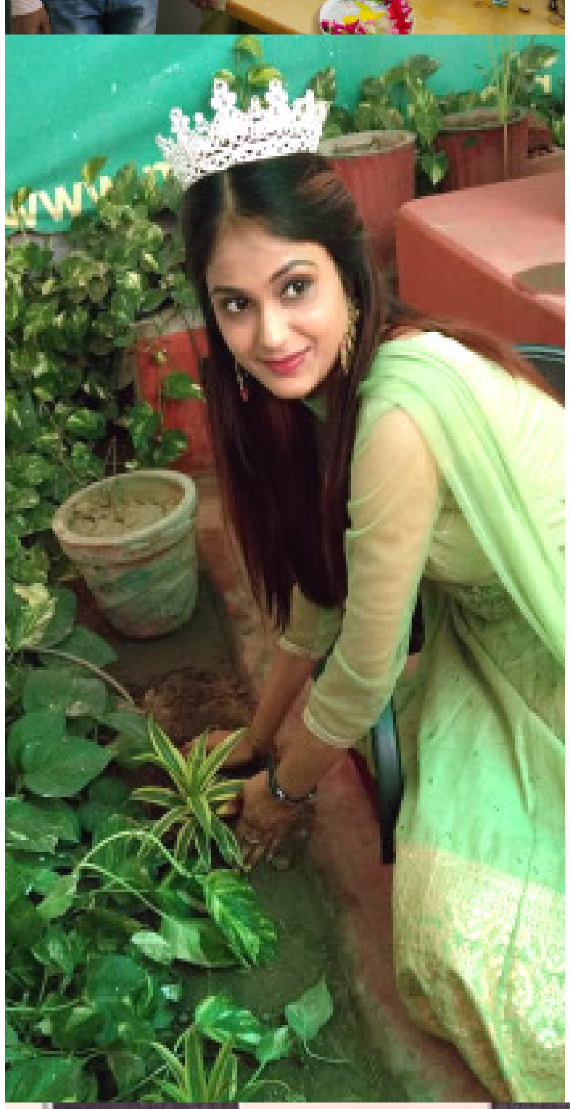

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

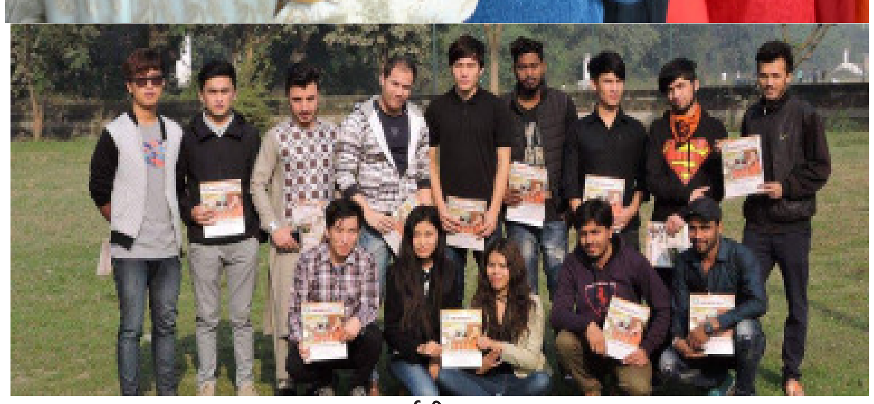

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274